





## गोरखनाथ मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुई मां कुष्मांडा की पूजा-अर्चना

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में जारी शक्ति



पूजा के अनुष्ठान में भक्ति और श्रद्धा का प्रवाह बना हुआ है। नवरात्र के चौथे दिन, बुधवार को मंदिर के शक्तिपीठ में मां दुर्गा के चौथे स्वरूप माता कुष्मांडा का वैदिक विधि-विधान और

मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन कर चराचर जगत के कल्याण की कामना की गई। नवरात्र चतुर्थी तिथि के

दौरान परंपरा के अनुसार सर्वप्रथम गौरी-गणेश का आह्वान व पूजन किया गया, तत्पश्चात सभी देव-विग्रहों का षोडशोपचार पूजन संपन्न हुआ। योगी कमलनाथ ने माता आदिशक्ति के चतुर्थ स्वरूप की महिमा बताते हुए कहा कि मां कुष्मांडा अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना करने वाली आदित्यरूपा है। जिनकी उपासना से भक्तों के समस्त कष्ट और संताप दूर होते हैं। स्थिर और पवित्र मन से मां कुष्मांडा की आराधना से आरोग्यता, शांति और यश की प्राप्ति होती है। चौथे दिन के विशेष अनुष्ठान के तहत शक्तिपीठ गर्भगृह में विद्वान् आचार्यों द्वारा श्रीमहेश्वीभावात महापूराण एवं श्रीदुर्गासप्तशती का सखर पाठ किया गया। दोनों पहर के पूजन उपरांत वैदिक मंत्रों के साथ महाआरती एवं क्षमा प्रार्थना हुई, जिसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

## लगातार चौथीबार के.एम. मझवार बने जिला भाजपा के मीडिया प्रभारी

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय के संस्तुति के उपरांत जिलाध्यक्ष



जनार्दन तिवारी ने जिला स्तर पर मीडिया, आईटी और सोशल मीडिया टीम की घोषणा की है। इस क्रम में भाजपा ने लगातार चौथी

बार के.एम.मझवार को जिला मीडिया प्रभारी बनाया है तथा जिला सह मीडिया प्रभारी के रूप में चन्दन

तिवारी व अमरनाथ पासवान को मनोनीत किया गया है वहीं अनिल कुमार को भाजपा आईटी विभाग का जिला संयोजक बनाया गया है तथा जिला सह संयोजक के रूप में गुरु हिन्दू, अभिषेक मिश्र, रजनीश पाण्डेय, अनिल प्रजापति को मनोनीत किया गया वहीं राम प्रवेश तिवारी को भाजपा सोशल मीडिया विभाग का जिला संयोजक बनाया गया है तथा जिला सह संयोजक के रूप में विवेक शुक्ला, अभिषेक मदेशिया, अनीश कन्नौजिया, राज कुमार यादव, विनय त्रिपाठी को मनोनीत किया गया है।

## डीएम दीपक मीणा ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

**कार्यालय प्रतिनिधि**  
गोरखपुर, १४ अक्टूबर। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने अपने कार्यालय में आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने एक-एक कर लोगों की शिकायतें सुनीं और उनके प्रार्थना पत्रों पर संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने अधिकारियों को शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने और पीड़ितों को राहत दिलाने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी के समक्ष रहीं। डीएम ने शिकायतकर्ताओं की बात सुनकर प्रकरण की प्रकृति को समझा और



जहां आवश्यक हुआ, वहां संबंधित विभागीय अधिकारियों से सीधे फोन पर संवाद किया। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चकर न लगाने पड़ें। जिलाधिकारी ने शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ काम करने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। इसके लिए संबंधित अधिकारी प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करें और शिकायतकर्ता को राहत दिलाने का प्रयास करें।

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। सरयू तट स्थित मुक्तिपथ पर आयोजित श्रीमद्दत्त धारावाचक के तीसरे दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और संत समागम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विधायक राजेश कथा का आयोजन पांच दिवसीय रहा गया है। नवरात्र में इस प्रकार का धार्मिक अनुष्ठान विशेष फलदायी होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा का प्रत्येक स्वरूप अत्यंत प्रभावशाली है। वर्तमान समय में अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है।

## साइबर थाना नए भवन में शिफ्ट, उद्घाटन बाकी, कामकाज शुरू

**अपराध संवाददाता**  
गोरखपुर, १४ अक्टूबर। जनपद सहित आसपास के जिलों में बढ़ते साइबर अपराध की रोकथाम के लिए स्थापित साइबर थाना पुलिस को अपना नया भवन मिल गया है। चरगावा ब्लाक कार्यालय से २०० कदम उत्तर दिशा में नवनिर्मित भवन में साइबर थाना के जिम्मेदारों ने अपना सामान्य काम काज भी शुरू कर दिया है। जहां बुधवार को साइबर अपराध से जुड़े पांच

मामले पहुंचे, जिसका मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर संतोष कुमार अवस्थी ने जांच पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई किया। यहां बताया आवश्यक है कि थाने के स्थानान्तरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है जबकि थाना का विधिवत उद्घाटन होना अभी बाकी। ज्ञातव्य है कि इससे पूर्व साइबर थाना कार्यालय पुलिस लाइन परिसर में स्थित महिला थाना के ठीक सामने एक पुराने भवन में संचालित होता था। बुधवार को उक्त नये भवन

पर जिन पीड़ितों ने पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया उसमें पहला मामला ग्रामीण क्षेत्र का रहा। हमारे भट्टहट बाजार प्रतिनिधि से मिली जानकारी के अनुसार उरुवा बाजार निवासी अवनीश जयसवाल अपने खाते में गुजरात से होल्ड लगने की शिकायत लेकर पहुंचे थे। कार्यालय में बैठे इंस्पेक्टर अरुण कुमार अवस्थी ने संबंधित बैंक के कर्मचारियों को फोन पर वार्ता करते हुए समाधान किया। वहीं क्षेत्र की प्रमिला मौर्य यूट्यूब

चैनल से संबंधित लेनदेन की शिकायत लेकर अपने पति के साथ पहुंची थी। इंस्पेक्टर ने संबंधित आरोपी से टेलिफोनिक वार्ता करते हुए समस्याओं समाधान की भरपूर कोशिश की। इसके अतिरिक्त तीन अन्य मामले भी साइबर अपराध से संबंधित पहुंचे। इंस्पेक्टर संतोष कुमार अवस्थी ने बताया कि साइबर अपराध से संबंधित ५ मामले आए। कुछ का तत्काल निस्तारण किया गया कुछ की जांच पड़ताल की जा रही है।

## सुरक्षा तैयारी : विजयदशमी शोभायात्रा मार्ग का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

**अपराध संवाददाता**  
गोरखपुर, १४ अक्टूबर। शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन विजय दशमी के मौके पर गोरखनाथ मंदिर से मानसरोवर स्थित रामलीला मैदान तक निकलने वाली पारंपरिक शोभायात्रा की सुरक्षा को लेकर बुधवार को पुलिस और प्रशासन के आलाधिकारियों ने शोभायात्रा मार्ग का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने मार्ग में दिखाई देने वाली कमियों को तत्काल दूर कराने और आयोजन से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। ज्ञातव्य है कि विजय दशमी के मौके पर गोरखपीठाधीश्वर व सुबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ की अगुआई में गोरखनाथ मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। दशहरा के मौके पर जनपद के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में विशेष स्थान रखने वाले उक्त कार्यक्रम में स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सहभागिता को देखते हुए उनकी सुरक्षा के साथ शोभायात्रा में शामिल होने वाले

श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। शोभायात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी और आवागमन को देखते हुए मार्ग को व्यवस्थित रखना पुलिस और



♦ गोरखनाथ और राजघाट थाना क्षेत्र के आयोजन में शामिल होते हैं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ

प्रशासन के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। ऐसे में भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन और मार्ग पर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना पुलिस-प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

अधिकारियों का जोर इस बात पर है कि सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी रहे और श्रद्धालुओं को भी अनावश्यक असुविधा न हो। शोभायात्रा के दौरान किसी भी संभावित समस्या से निपटने के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। एटीएस और एलआरयू सहित संबंधित इकाइयों की सहभागिता के बीच पुलिस और प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। जिसके क्रम में बुधवार को उच्चाधिकारियों ने तैयारियां जायजा लिया। इस मौके पर एडीजी जौन राम कुमार, डीआईजी रंज ए. चन्पा, मंडलायुक्त इंद्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसएसपी डॉ. कौस्तुभ, नगर आयुक्त अजय जैन, एसपी सिटी निमित्त पांडेय, एएसपी एवं सीओ कैप्ट अरुण कुमार सिंह, एसपी अपराध अयोध्या प्रसाद सिंह, एसपी मंदिर सुरक्षा संतोष कुमार, एडीएस सिटी गजेंद्र कुमार, सीओ गोरखनाथ रवि सिंह और सीओ कोठवाली ऑंकार दत्त तिवारी, एटीएस, एलआईयू और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

## पू.रे. में साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल-एसओसी का उद्घाटन

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। पूर्वोत्तर रेलवे में साइबर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में 14 अक्टूबर को एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर की गरिमामयी उपस्थिति में उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, टेली अभिषेक भूषण ठाकुर ने प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय, गोरखपुर में स्थापित सब-सिक्वोरिटी ऑपरेशन सेंटर (सब-एस.ओ.सी.) का उद्घाटन फीता काट कर किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक प्रकाश चन्द्र जायसवाल, प्रमुख सिगनल प्रबन्धक राजेश कुमार, प्रधान वित्त सलाहकार बन्दीना शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित थे। भारतीय रेल में सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों, डिजिटल सेवाओं एवं महत्वपूर्ण सूचना संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से साइबर सुरक्षा तंत्र का विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में, रेलवे बोर्ड में स्थापित केंद्रीय सिक्वोरिटी ऑपरेशन सेंटर (एस.ओ.सी.) के अतिरिक्त भारतीय रेल में 26 सब-सिक्वोरिटी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किये

सम्भावित साइबर हमलों की समय रहते पहचान तथा साइबर सुरक्षा सम्बन्धी घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही



♦ महाप्रबन्धक, उदय बोरवणकर ने किया उद्घाटन, रेलकर्मियों से साइबर सुरक्षा नियमों के पालन की अपील

कने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर डिजिटल कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुरक्षा के प्रति सतर्क एवं जागरूक रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से साइबर सुरक्षा के निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करने, डिजिटल संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध ई-मेल, लिंक या ऑनलाइन गतिविधि के प्रति सतर्क रहने की अपील की। महाप्रबन्धक ने कहा कि साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी की सजगता एवं जिम्मेदारी भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर माह में साइबर सुरक्षा जागरूकता साप्ताह भी मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर खतरों, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा सुरक्षा तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान साइबर सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार कार्यशैली अपनाने और संस्थागत सूचना संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। सब-सिक्वोरिटी ऑपरेशन सेंटर की स्थापना पूर्वोत्तर रेलवे में साइबर सुरक्षा सम्बन्धी निगरानी एवं समन्वय की सुदृढ़ करने तथा सुरक्षित डिजिटल कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## राजस्थान पुलिस के ४८१ नव आरक्षियों ने ली देश सेवा की शपथ

एडीजी लॉ एण्ड ऑर्डर राजस्थान पुलिस को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। तदुपरांत एडीजी अग्रवाल ने जवानों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान प्रशिक्षणों को



संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने जो कुछ भी सीखा उसका उन्हें अपने सेवाकाल के साथ-साथ जीवन में प्रयोग करने

का अवसर मिलेगा। डीआईजी अमित कुमार ठाकुर ने कहा कि इस प्रशिक्षण ने सशस्त्र सीमा बल, गोरखपुर एवं राजस्थान पुलिस के बीच प्रशिक्षण के क्षेत्र में आपसी समन्वय एवं सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ किया। राम कुमार, भापुसे एडीजी, गोरखपुर जौन, दीपक बरनवाल, भापुसे, डीआईजी क्षेत्रक मुख्यालय गोरखपुर, श्रीमति पणिया सेनगुप्ता, डीआईजी (चिकित्सा), संयुक्त अस्पताल, गोरखपुर, डॉ (प्रो.) धर्मेन्द्र कुमार, प्राचार्य बीआरडी, मेडिकल कॉलेज तथा कर्नल डी. एस. चौहान, प्रधानाचार्य, सैनिक स्कूल, अमित किशोर यादव पीएमपी कमांडेंट प्रशिक्षण, डॉ सुमित सौरभ, डॉ चक्रमा, डॉ सुहेल पठान, डॉ अविनाश कुप्पा, एसी अर्त चौधरी, एसी सुजीत कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## घर में ग्रंथ, गुरु और गौ का वास होना चाहिए-पुंडरीक गोस्वामी

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। सरयू तट स्थित मुक्तिपथ पर आयोजित श्रीमद्दत्त धारावाचक के तीसरे दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और संत समागम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विधायक राजेश कथा का आयोजन पांच दिवसीय रहा गया है। नवरात्र में इस प्रकार का धार्मिक अनुष्ठान विशेष फलदायी होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा का प्रत्येक स्वरूप अत्यंत प्रभावशाली है। वर्तमान समय में अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है।

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। सरयू तट स्थित मुक्तिपथ पर आयोजित श्रीमद्दत्त धारावाचक के तीसरे दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और संत समागम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विधायक राजेश कथा का आयोजन पांच दिवसीय रहा गया है। नवरात्र में इस प्रकार का धार्मिक अनुष्ठान विशेष फलदायी होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा का प्रत्येक स्वरूप अत्यंत प्रभावशाली है। वर्तमान समय में अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है।

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। सरयू तट स्थित मुक्तिपथ पर आयोजित श्रीमद्दत्त धारावाचक के तीसरे दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और संत समागम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विधायक राजेश कथा का आयोजन पांच दिवसीय रहा गया है। नवरात्र में इस प्रकार का धार्मिक अनुष्ठान विशेष फलदायी होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा का प्रत्येक स्वरूप अत्यंत प्रभावशाली है। वर्तमान समय में अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है।

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। सरयू तट स्थित मुक्तिपथ पर आयोजित श्रीमद्दत्त धारावाचक के तीसरे दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और संत समागम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विधायक राजेश कथा का आयोजन पांच दिवसीय रहा गया है। नवरात्र में इस प्रकार का धार्मिक अनुष्ठान विशेष फलदायी होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा का प्रत्येक स्वरूप अत्यंत प्रभावशाली है। वर्तमान समय में अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है।

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। मण्डलायुक्त, इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आहत मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संभागीय अधिकारियों द्वारा समुचित तैयारी के साथ उपस्थित न होने के कारण मण्डलायुक्त द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुये बैठक की कार्यवाही को एक सप्ताह के लिये स्थगित कर दिया गया। बैठक में सहायक शिक्षा निदेशक वैसिक संगीता सिंह तथा सतीश सिंह, संयुक्त शिक्षा निदेशक, ससम मण्डल, गोरखपुर द्वारा मण्डल के जनपदों के समस्त विद्यालयों, महाविद्यालयों में विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति का गठन करते हुये उसकी बैठक कराकर बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत

कने के तीन माह पूर्व दिये गये निर्देश का अनुपालन न करने के लिये कारण बताओ नोटिस निगत किये जाने के निर्देश दिये गये। संभागीय परिवहन

मण्डलायुक्त, इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आहत मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संभागीय अधिकारियों द्वारा समुचित तैयारी के साथ उपस्थित न होने के कारण मण्डलायुक्त द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुये बैठक की कार्यवाही को एक सप्ताह के लिये स्थगित कर दिया गया। बैठक में सहायक शिक्षा निदेशक वैसिक संगीता सिंह तथा सतीश सिंह, संयुक्त शिक्षा निदेशक, ससम मण्डल, गोरखपुर द्वारा मण्डल के जनपदों के समस्त विद्यालयों, महाविद्यालयों में विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति का गठन करते हुये उसकी बैठक कराकर बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत

कने के तीन माह पूर्व दिये गये निर्देश का अनुपालन न करने के लिये कारण बताओ नोटिस निगत किये जाने के निर्देश दिये गये। संभागीय परिवहन

♦ मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों द्वारा समुचित तैयारी के साथ उपस्थित न होने पर मण्डलायुक्त नाराज, बैठक किया स्थगित

अधिकारी नरेश वर्मा द्वारा बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं पर समुचित तैयारी न करने लिये उन्हें सचेत करते हुये निर्देशित किया गया कि वे आगामी बैठक से पूर्व अवगत कराये कि मण्डल के जनपदों के विद्यालयों में कितने वाहन हैं, अधिकारी उपस्थित रहे।

उनमें से कितने को फिटनेस प्रमाण पत्र दिया गया है तथा कितने वाहन अनफिट हैं, के बारे में अवगत कराये। यदि वाहन अनफिट हैं तो उनके स्वामी के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी है। मण्डलायुक्त द्वारा लोक निर्माण विभाग, राजगम एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को विगत तीन माह पूर्व हुई बैठक में रोड सेफटी सम्बन्धी साइनेज, बैरियर,रिफ्लेक्टिव टेप, क्रेट आइ एवं ट्रेफिक कॉर्गिमें मेजर्स का कार्य अपूर्ण रहने के लिये सचेत करते हुये आगामी बैठक में कृत कार्यवाही को अनुपालन आख्या लिखित रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। बैठक में एस.पी.ट्रेफिक, आर.एम.रोडवेज सहित मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## रेल कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के उत्पादकता-आधारित बोनस को मंजूरी दी

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए 11,40,770 रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के लिए 2009.61 करोड़ रुपये के पीएलवी के भुगतान को मंजूरी दे दी है। पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलवी का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा, दशहरा की छुट्टियों से पहले किया जाता है। इस वर्ष भी, लगभग 11.40 लाख रेल-प्राप्तितर रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बाजार पीएलवी राशि का भुगतान किया जा रहा है। पीएलवी रेल कर्मचारियों को रेलवे के प्रदर्शन में सुधार के लिए प्रेरित करने वाले प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है। पात्र रेल कर्मचारियों को अधिकतम 78 दिनों के लिए 17,951 रुपये का भुगतान किया जाएगा। यह राशि रेल कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों जैसे ट्रेक मैटेनेंस कर्मी, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गाई), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, तकनीशियन, तकनीशियन सहायक, पॉइंट्समैन, मिनिस्ट्रियल स्टाफ और अन्य ग्रुप सी स्टाफ को दी जाएगी। वर्ष 2025-26 में रेलवे का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1670 मिलियन टन माल लोदा और लगभग 7.41 बिलियन यात्रियों को परिवहन प्रदान किया।

**पूर्वोत्तर रेलवे**  
खुली ई-निविदा सूचना संख्या: SDEE-TRD-BSB-2026-2739 रि. 14.10.2026  
खुली निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।  
क्र. सं. 1:- कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के अंतर्गत मंड-सामान्य/वाराणसी के असीन आने वाले क्लिन्निंग स्टेशनों (KRND, MMA, FMZ) कुल 03 स्टेशन) पर कूट अवैर ब्रिज (FOSB) के लिए रैप बनाने के संबंध में 25 के.वी. विद्युतीकरण कार्य। टेंडर रिफरेंस नं. SDEE-TRD-BSB-2026-27-739. कार्य का अनुमानित लागत रुपया मे ₹ 8998170.05, धरोहर राशि रुपया मे ₹ 168000/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपया मे रु. शून्य, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 05.11.2026 up to 14:45 Hrs. कार्य पूरा करने की अवधि: 9 माह.  
खुली ई-निविदा दिनांक 05.11.2026 को 14.45 बजे तक जमा कर सकेंगे। पूर्ण शिखण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट [www.ireps.gov.in](http://www.ireps.gov.in) पर देखें।  
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर टीआरडी मुजाफि/विद्युत-220 वाराणसी  
गाइडों की छवी व पावताल पर कदापि यात्रा न करें।

**अदालती नोटिस**  
(बदस्त आवाम फरोख के लिए)  
इत्तिलावामा बनाम रेसपेन्डेंट बाबत इत्तिला  
(तारीख मुकरर समाअत अपील)  
न्यायालय-अपर आवाक (न्यायिक)  
गोरखपुर मंडल, गोरखपुर  
शिखर उर्फ मुसरोम बना गुल्लू आदि बनाम-(1) गुल्लू पुत्र स्व. निजामुद्दीन (2) सैरून शकीना पत्नी स्व. निजामुद्दीन (3) हमीद पुत्र मृत (4) श्रीमती जरीना खातून पत्नी स्व. समसुद्दीन (5) नसीरुद्दीन पुत्र इशहाक समस्त साकिना मौजा रामनगर तप्या मन्सी सैनी, सरना सि.जो. तह. व जिला-देवरिया।  
इत्तिला हो कि अपील बराबरी डिंगरी इस मुकदमे में मुसममी ने तारीख 15 महोना 10 सन् 2026ई. को समाअत इस अपील के मुकरर की है। अगर कुछ आपके वकीली या और कोई सख्खा जो कानून अपक की तौर से अपीलनाखा सवाल जाब करे की मरजी रखता हो हाजिर न हो जायगा तो उसकी समाअत और तजवीज आपकी गैरहाजिरी में एकतरफा की जायेगी।  
आज तारीख 08 महोना 10 सन् 2026ई. को हमरे दस्तखत और मोहर अदालत के मोहरे दस्तखत गारा।  
ह. अपर आयुक्त (न्याय.)  
गोरखपुर मंडल, गोरखपुर

## सड़क सुरक्षा का मूल मंत्र है मन पर नियंत्रण-संजय कुमार सिंह

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों के अनुपालन का विषय नहीं, अपितु मानवीय चेतना, आत्मनुशासन और मन के संयम से जुड़ा एक गंभीर सामाजिक दायित्व है। सड़क पर सुरक्षित जीवन की आधारशिला बाहरी नियंत्रण से अधिक आंतरिक अनुशासन में निहित है। इसी संदेश के साथ महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई एक एवं दो के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षित एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता साहित्य परिषद के संयोजक संजय कुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा के

मनोवैज्ञानिक एवं दार्शनिक पक्ष को रेखांकित करते हुए अत्यंत सारागर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वाहन की गति वस्तुतः मन की गति का प्रतिबिंब है। मन जितना

### महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई एक एवं दो के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

चंचल, अधीर और अनियंत्रित होता है, वाहन की गति भी उतनी ही असंयमित होने लगती है। अतः वाहन की गति पर नियंत्रण स्थापित करने से पूर्व मन की गति पर नियंत्रण स्थापित करना आवश्यक है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय सिंह ने स्वयंसेवकों को चंचल, अधीर और अनियंत्रित होता है, वाहन की गति भी उतनी ही असंयमित होने लगती है। अतः वाहन की गति पर नियंत्रण स्थापित करने से पूर्व मन की गति पर नियंत्रण स्थापित करना आवश्यक है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय सिंह ने स्वयंसेवकों को

सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने यातायात संकेतों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा के अनुपालन तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के प्रयोग से बचने की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आलोक कुमार यादव ने यातायात नियमों की व्यावहारिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सड़क पर किया गया एक छोटा-सा असावधान निर्णय भी जीवनभर की पीड़ा का कारण बन सकता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों का निष्ठापूर्वक पालन करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई।

रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध

सामानों की धर-पकड़ जारी

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। रेलवे

सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी को रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। रेलवे सुरक्षा बल, अपराध आसूचना शाखा एवं राजकीय रेलवे पुलिस छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी संख्या-15232 में लावारिस रखे 2 बैगों में 135 अदद अंग्रेजी शराब की बोतलें मिलने पर जप्त किया। रेलवे सुरक्षा बल देवरिया सदर को निगरानी के दौरान प्लेटफार्म संख्या-2 पर लावारिस रखे बैग में 20 अदद अंग्रेजी शराब की बोतलें मिलने पर जप्त किया गया। रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस देवरिया सदर द्वारा निगरानी के दौरान गाड़ी संख्या-15048 में लावारिस रखे बैग में 29 अदद अंग्रेजी शराब की बोतलें मिलने पर जप्त किया गया।

## छात्रवृत्ति परीक्षा में डीवीएनपीजी कॉलेज के छात्र विकास यादव ने प्राप्त किया प्रथम स्थान, जीता टैबलेट

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। दिग्विजयनाथपी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के छात्र विकास यादव ने सितंबर माह में आयोजित छात्र वृत्ति परीक्षा में प्रथम स्थान

प्राप्त कर कॉलेज का गौरव बढ़ाया। उनको इस उपलब्धि के लिए आज कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में उन्हें टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विकास यादव को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को ऐसी उपलब्धियां उनकी मेहनत, लगन और प्रतिभा का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है।

विकास की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है। प्लेसमेंट सेल के संयोजक डॉ. पवन कुमार पाण्डेय ने कहाकि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक

कॉलेज, गोरखपुर के छात्र विकास यादव ने सितंबर माह में आयोजित छात्र वृत्ति परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर कॉलेज का गौरव बढ़ाया। उनको इस उपलब्धि के लिए आज कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में उन्हें टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विकास यादव को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को ऐसी उपलब्धियां उनकी मेहनत, लगन और प्रतिभा का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी

परीक्षाओं एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है।

उन्होंने कहाकि इस प्रकार की छात्रवृत्ति परीक्षाएँ विद्यार्थियों को प्रतिभा की पहचान ने, उनका आत्मविश्वास बढ़ाने तथा उन्हें अपने लक्ष्य की ओर

आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में डॉ. सुनील सिंह, डॉ. त्रिभुवन मिश्र, डॉ. आशुतोष दुबे की टीम उपस्थित रही। सभी ने विकास यादव को उनकी उल्लेखनीय सफलता के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य को कामना की। महाविद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आशा जताई कि विकास यादव भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता प्राप्त कर

दौर में विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता के

साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और

कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

संस्थान एवं अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे।

सिंह,मीडिया प्रभारी ने दी।

## त्योहारों पर चल रही विशेष ट्रेनों में उपलब्ध हैं सीटें

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। रेल प्रशासन द्वारा आगामी त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष ट्रेनों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष ट्रेनों में माह अक्टूबर तक के लिये 14 अक्टूबर को सायं बर्थ की उपलब्धता है। छपरा से चलने वाली 05085 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल त्यौहार विशेष गाड़ी में 20 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 93, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 319 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनोमी श्रेणी में 104 बर्थ तथा 27 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 4, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 100, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 347, वातानुकूलित तृतीय इकोनोमी श्रेणी में 120 एवं शयनयान श्रेणी में 174 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट त्यौहार विशेष गाड़ी में 15 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 4, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 96, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 330 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनोमी श्रेणी में 88 बर्थ; 22 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 2, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 102, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 287 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनोमी श्रेणी में 94 बर्थ तथा 29 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 6, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 106, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 346, वातानुकूलित तृतीय इकोनोमी श्रेणी में 118 एवं शयनयान श्रेणी में 220 बर्थ उपलब्ध है। छपरा से चलने वाली 05193 छपरा-पटनकोट त्यौहार विशेष गाड़ी में 19 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 51, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 241 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनोमी श्रेणी में 61 बर्थ तथा 26 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 50, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 236 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनोमी श्रेणी में 23 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से चलने वाली 05096 मऊ-कोलकाता त्यौहार विशेष गाड़ी में 28 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 20 बर्थ उपलब्ध है। बनारस से चलने वाली 05167 बनारस-लोकमान्य

तिलक टर्मिनस त्यौहार विशेष गाड़ी में 17 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 11, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 58, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 133 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनोमी श्रेणी में 79 बर्थ तथा 24 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 13, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 62, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 171, वातानुकूलित तृतीय इकोनोमी श्रेणी में 97 एवं शयनयान श्रेणी में 11 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 05101 गोरखपुर-शकूर बस्ती (दिल्ली) त्यौहार विशेष गाड़ी में 18 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 15, वातानुकूलित

### बर्थ आरक्षित कराकर बनायें यात्रा को आरामदेह

द्वितीय श्रेणी में 77, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 534 एवं शयनयान श्रेणी में 36 बर्थ तथा 25 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 12, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 69, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 533 एवं शयनयान श्रेणी में 13 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 04830 गोरखपुर-जोधपुर त्यौहार विशेष गाड़ी में 16 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 43, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 134 एवं शयनयान श्रेणी में 168 बर्थ; 23 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 51, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 151 एवं शयनयान श्रेणी में 259 बर्थ तथा 30 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 66, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 170 एवं शयनयान श्रेणी में 369 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 03132 गोरखपुर-सियालदह त्यौहार विशेष गाड़ी में 21 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 118 एवं शयनयान श्रेणी में 273 बर्थ; 23 अक्टूबर को शयनयान श्रेणी में 220 बर्थ; 28 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 166 एवं शयनयान श्रेणी

## भक्तिमय प्रस्तुतियों के बीच झूमे श्रद्धालु

गोरखपुर 14 अक्टूबर। जेसीआई गोरखपुर मिडटाउन द्वारा आयोजित जेसीआई नवग्न नवरात्रि के रंग, जेसीआई के संग कार्यक्रम सविला लाइव स्थित पेंशनवी लॉन में उत्सव के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भजन संध्या रही, जिसमें भजन गायक निखिल साहू ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों को भक्तिरस में स्मरबोध कर दिया। वहीं, यशश्री द्वारा माता रानी के दिव्य स्वरूप में दी गई मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में डॉडिया, सिंदूर उत्सव, भंडारा एवं प्रसन्न वितरण जैसे गतिविधियाँ भी प्रमुख आकर्षण रहीं। विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं

पुरस्कारों की व्यवस्था की गई थी। इनमें बेस्ट ड्रेस्ड मेल, बेस्ट ड्रेस्ड फीमेल, बेस्ट डॉडिया/गरबा कपल तथा बेस्ट ड्रेस्ड किड जैसी श्रेणियाँ शामिल रहीं। कार्यक्रम में संस्था के पास्ट प्रेसिडेंट हिमांशु अग्रवाल, का मुख्य आकर्षण भजन संध्या रही, जिसमें भजन गायक निखिल साहू ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों को भक्तिरस में स्मरबोध कर दिया। वहीं, यशश्री द्वारा माता रानी के दिव्य स्वरूप में दी गई मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में डॉडिया, सिंदूर उत्सव, भंडारा एवं प्रसन्न वितरण जैसे गतिविधियाँ भी प्रमुख आकर्षण रहीं। विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं



## उत्तर रेलवे ने ओएचई अपग्रेडेशन कार्यों के लिए संरक्षा और गुणवत्ता सुधार शिविरों का आयोजन किया

नई दिल्ली। निर्माणाधीन ढांचागत परियोजनाओं में निर्धारित मानकों के अनुपालन के साथ-साथ संरक्षा संस्कृति व गुणवत्ता सजगता को और बेहतर करने के लिए, उत्तर रेलवे ने 2×25 केवी ओवरहेड इन्फ्रामेंट (OHE) अपग्रेडेशन कार्यों के संबंध में संरक्षा और गुणवत्ता पर संगोष्ठी-सह-संवाद सत्रों की एक व्यापक श्रृंखला का आयोजन किया।

इन शिविरों का आयोजन अक्टूबर 2026 के दौरान चार प्रमुख स्थानों, दिनांक 01.10.2026 को जलंधर, दिनांक 05.10.2026 को अंबाला, दिनांक 09.10.2026 को मुजफ्फराबाद, और दिनांक 12.10.2026 को लखनऊ पर सफलतापूर्वक किया गया। इस पहल में 550 प्रतिभागी शामिल हुए। इनमें 42 अधिकारी, 169 मंडलीय टीआरडी (TRD) कर्मचारी, 112 प्रोजेक्ट यूनिट के कर्मचारी (अंबाला और लखनऊ विद्युतीकरण प्रोजेक्ट यूनिट से), और 227 ठेकेदार/एजेंसी के कर्मचारी शामिल थे।**प्रमुख फोकस क्षेत्र:** सत्रों के दौरान तकनीकी प्रस्तुतियाँ और इंटरैक्टिव चर्चाएँ आयोजित की गईं, जो 2×25 केवी अपग्रेडेशन कार्यों के सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित थीं।**कर्मचारी संरक्षा-** सामान्य संरक्षा सावधानियों, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों

(PPE) के उपयोग, सुरक्षित कार्य संस्कृति और जोखिमपूर्ण कार्यों से बचाव पर बल।**रेलवे परिवालन और बुनियादी ढांचे की संरक्षा-** रेलवे ट्रैक के पास क्रेन, जेसीबी (JCB) और excavators (उत्खनन यंत्रों) का सुरक्षित संचालन के साथ-साथ रेल परिचालन, ट्रैक, सिग्नलिंग और दूरसंचार (S&T) प्रणालियों तथा अन्य रेल परिसंपत्तियों की संरक्षा।**निर्माण और संस्थापन में गुणवत्ता:** स्वीकृत ड्राइंग, तकनीकी विनिर्देशों में निर्धारित प्रक्रियाओं का सख्ती से अनुपालन करते हुए फाउंडेशन कास्टिंग, मास्ट इरेक्शन, एलाइमेंट और ग्राउंटिंग के दौरान संरक्षा और गुणवत्ता की जांच करना।**ओएचई (OHE) और पीएसआई (PSI) कार्य:** मौजूदा बुनियादी ढांचे और energized ओएचई के निकट फीडर वायर/आईसी (AEC) इरेक्शन, बोर्डिंग (BEC) लेआउट और संबंधित कार्यों का सुरक्षित निष्पादन।**आपातकालीन तैयारी:** प्रतिकूल मौसम के दौरान बरती जाने वाली सावधानियाँ, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, दुर्घटना रिपोर्टिंग और बचाव व्यवस्था।**भूमिकाएं और जवाबदेही:** सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने में रेल अधिकारियों, प्रोजेक्ट यूनिट के कर्मियों, पर्ववेक्षकों

(supervisors) और ठेकेदार के कर्मचारियों की जिम्मेदारियों और जवाबदेही की स्पष्ट समझ।**क्षेत्रीय अनुभवों से सीखना:**संभावित खतरों की पहचान करने और उनकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए संरक्षा घटनाओं व्यावहारिक चुनौतियों और पिछले अनुभवों को साझा करना।

**परिणाम और आगे की दिशा:**इस अभियान ने इस बात पर जोर दिया कि संरक्षा और गुणवत्ता प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। रेलवे अधिकारियों, प्रोजेक्ट यूनिटों और अनुबंधित एजेंसियों के बीच संवाद को बढ़ावा देकर, इन शिविरों ने काम शुरू होने से पहले सक्रिय रूप से खतरों की पहचान करने, जोखिम को कम करने, तकनीकी मानकों को कड़ाई से पालन करने और क्षेत्रीय घटनाओं से लगातार सीखने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन दिया। उत्तर रेलवे इन महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को व्यवस्थित रूप से निष्पादित करने, सर्वोच्च गुणवत्ता मानकों का अनुपालन करने तथा कर्मियों की सुरक्षा, निर्बाध ट्रेन परिचालन और परिसंपत्तियों की संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत भी यही है-संरक्षा पहले, गुणवत्ता हमेशा कोई शॉर्टकट नहीं, कोई समझौता नहीं।

सतत स्वच्छता व्यवस्था को प्रोत्साहित करने हेतु जागरूक किया गया। लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों गोरखपुर, गोंडा, लखनऊ, ऐशबाग, बस्ती, खलीलाबाद, सीतापुर एवं मैलानी तथा अन्य रेलवे इकाइयों, कालोनीयों, कॉमिंग डिपो, लोकोशेड में सफाई मित्रों एवं रेलकर्मियों को 'ठोस अवशिष्ट प्रबंधन' के अंतर्गत कचरे को सही तरीके से इकट्ठा करना, अलग-अलग छंटना और सुरक्षित रूप से उसका निस्तारण करने के बारे में बताया गया। रेलवे कॉलोनी एवं स्टेशनों में सविदा कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। जन

गई। साथ ही, यात्रियों एवं आमजन से रेल परिसर को स्वच्छ बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील

पाए जाने पर अपर सत्र व्यापारीजी नितिन कुमार ठाकुर ने सिकरगंज थाना क्षेत्र के बर्राही निवासी अभियुक्त दयाशंकर, रामचंद्र, मुकेश बेलार उर्फ पोर्काई, आकाश व पुष्पा देवी को आजीवन कारावास एवं प्रत्येक की 49 हजार रुपए अर्थदंड से दीख किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्तों को दो साल छः माह का कारावास अलग से भुगतान होया। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता धीरेन्द्र जायसवाल एवं सतीश यादव का कहना था कि घटना 2 दिसंबर 2023 को शाम करीब 5 बजे की है। वादी का नाती सचिन पर गये भी पेटने लगे।बब वादी छुड़ने पहुंचा तो अभियुक्तों ने उसे भी मारा पिता क्लृष्ट रहे बाद अभियुक्तगण दुबारा वादी के घर आए और घर में घुस कर वादी,कुसम और सचिन को बुरी तरह मारने पीटने लगे जिससे वादी और कुसम को गंभीर चोट आई। इलाज के लिए वादी और कुसम को सादर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने कुसम को मृत घोषित कर दिया।

गोरखपुर, १४ अक्टूबर।

महानगर के हृदय स्थल गोलचर स्थित प्रसिद्ध खान-पान केंद्र चटोरी गली के व्यापारियों द्वारा नगर निगम प्रशासन की मनमानी के खिलाफ बुलाई गई एकदिवसीय पूर्ण बंदी ऐतिहासिक रूप से सफल रही। इस दौरान पूरे क्षेत्र में सन्नार्ता पसरा रहा और रैरेटोरेट व फास्ट-फूड से लेकर चाय-पान तक की दुकानें पूरी तरह बंद रही। नगर निगम द्वारा गली के दोनों मुहानों पर खंबे (बोलार्ड, बैरियर) लगाकर रास्ता बंद किए जाने के विरोध में व्यापारियों ने एकजुट होकर यह प्रदर्शन किया। यह समस्त आयोजन व बंदी समस्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष नितिन कुमार जायसवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। व्यापार मंडल अध्यक्ष नितिन कुमार जायसवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन पर तीखा

आक्रोश व्यक्त किया। व्यापारियों का कहना है कि सुंदरीकरण और फसाड निर्माण के नाम पर दोनों तरफ रास्ते को अवरुद्ध कर देना व्यापारियों के साथ सरासर अन्याय है। पिछले करीब डेढ़वर्ष से आवागमन बंद होने के चलते ग्राहकों की आवाजाही ठप हो गई है और व्यापारियों का कारोबार 100 प्रतिशत चौपट हो चुका है। व्यापारियों ने बताया कि नगर आ्युक्त और संबंधित अधिकारियों को लगभग 25 बार ज्ञापन सौंपा जा चुका है,आंकड़ों बार मुलाकात किया गया है, यहाँ तक कि जिलाधिकारी (छरू) द्वारा रास्ता खोलने के निर्देश के बावजूद नगर निगम द्वारा अवरोधक नहीं हटाए गए। व्यापारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि दोनों तरफ नितिन कुमार जायसवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन को और तेज किया

जाएगा।

### एमजीपीजी में बीसीए करियर

### काउंसिलिंग का आयोजन

गोरखपुर, १४ अक्टूबर। महत्मा गांधी पी जी कॉलेज के आवागमन वंद होने के चलते ग्राहकों की आवाजाही ठप हो गई है और व्यापारियों ने बताया कि नगर आ्युक्त और संबंधित अधिकारियों को लगभग 25 बार ज्ञापन सौंपा जा चुका है,आंकड़ों बार मुलाकात किया गया है, यहाँ तक कि जिलाधिकारी (छरू) द्वारा रास्ता खोलने के निर्देश के बावजूद नगर निगम द्वारा अवरोधक नहीं हटाए गए। व्यापारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि दोनों तरफ नितिन कुमार जायसवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन पर तीखा

जाएगा।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत करियर काउंसिलिंग सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं, रोजगार के अवसरों तथा भविष्य की शैक्षणिक दिशा के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना था।कार्यक्रम में काउंसलर अवसरों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष दीपा चौहान तथा संकाय सदस्य अमोद कुमार श्रीवास्तव एवं फैजान खान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने करियर संबंधी निर्णय लेने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

## जनता दर्शन में पांच वर्षीय बच्चे की प्रतिभा देख मुग्ध हुए डीएम

देवरिया। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान उस समय एक सुखद व रोचक दृश्य देखने को मिला, जब फरियाद लेकर आई एक महिला के पांच वर्षीय बेटे की प्रतिभा ने जिलाधिकारी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। नन्हें बालक की तीक्ष्ण बुद्धि और ज्ञान से प्रभावित होकर जिलाधिकारी ने उसकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बुधवार को जनता



दर्शन के दौरान जगतादिनी निधि अपने पांच वर्षीय पुत्र अंश को साथ लेकर अपनी समस्या के समाधान के लिए जिलाधिकारी मधुसूदन हुलगी

के समक्ष उपस्थित हुईं। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी की नजर मासूम बच्चे पर पड़ी, तो उन्होंने सहज भाव से उसकी पढ़ाई-लिखाई

इसके बाद उन्होंने अंश से अक्षर ज्ञान, लेखन और विभिन्न रंगों की पहचान से जुड़े सवाल पूछे। पांच वर्षीय अंश ने बिना किसी झिझक के सभी सवालों के सटीक और सही उत्तर देकर कलेक्ट्रेट सभागार में मौजूद अधिकारियों को चकित कर दिया। मासूम की त्वरित समझ और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चा बेहद होनहार और प्रतिभावान है। उन्होंने मां को प्रेरित करते हुए निर्देश दिया कि बच्चे की प्रारंभिक शिक्षा और देख-रेख पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि भविष्य में इसकी प्रतिभा और निखर सके।

## पत्रकारों की हिरासत के खिलाफ देवरिया में प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

देवरिया। लिर्विंग इंडिया व हिंदी खबर न्यूज़ चैनल के प्रधान संपादक अतुल अग्रवाल और एक महिला पत्रकार सहित चार मीडियाकर्मियों को



पर खबर प्रसारित करने को लेकर बदले की भावना से यह कार्रवाई की गई है, जो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला है। ज्ञापन के

हिरासत में लिए जाने के विरोध में पत्रकारों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। जर्नलिस्ट प्रेस क्लब, गोरखपुर जर्नलिस्ट एसोसिएशन और पत्रकार समन्वय समिति के बैनर तले जुटे

पत्रकारों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सभी मीडियाकर्मियों की तत्काल रिहाई की मांग की। पत्रकारों का कहना था कि हरियाणा में नशाखोरी पर खबर प्रसारित करने को लेकर बदले की भावना से यह कार्रवाई की गई है, जो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला है। ज्ञापन के

## जमीनी विवाद में महिला ने धारदार हथियार से हमला करने का लगाया आरोप

सोहनपुर, देवरिया। बनकटा थाना क्षेत्र के गजहड़वा गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का मामला सामने आया है। बच्ची देवी ने थाने में शिकायती पत्र देकर एक व्यक्ति पर साड़ी खींचने और धारदार लोहे के हथियार से सिर पर वार कर घायल करने का आरोप लगाया है। वहीं, दूसरे पक्ष की मीरा देवी और प्रभावती देवी ने भी थाने में शिकायत देकर मारपीट का आरोप लगाया है।

बच्ची देवी के अनुसार, 13 अक्टूबर की शाम करीब 7:30 बजे वह अपने घर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर शौच के लिए गई थीं। आरोप है कि इस दौरान पहले से घात लगाकर बैठे एक व्यक्ति ने उनकी साड़ी खींचनी शुरू कर दी। इसी बीच दूसरे व्यक्ति ने हाथ में लिए धारदार

लोहे के दाब से उनके सिर पर वार कर दिया, जिससे उनका सिर कट गया और खून बहने लगा। रोते-मचाने पर लोगों को आते देख आरोपी मौके से



भाग निकले। वहीं, दूसरे पक्ष की मीरा देवी और प्रभावती देवी ने भी थाने में शिकायत देकर मारपीट का आरोप लगाया है। इस संबंध में बनकटा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मौर्य ने बताया

कि दोनों पक्षों के बीच जमीनी विवाद है। शिकायत प्राप्त हुई है और मामले की जांच की जा रही है। **सहोदर पट्टी में लो-वोल्टेज की समस्या दूर, पेयजल आपूर्ति बहाल** देवरिया। विकास खंड देसही देवरिया अंतर्गत सहोदर पट्टी पेयजल योजना की तकनीकी खराबी ठीक कर जलापूर्ति सुचारु कर दी गई है। अधिशासी अभियंता अखिल आनंद ने बताया कि लो-वोल्टेज की वजह से मोटर पंप चालू नहीं हो पा रहा था, जिससे घरों तक पानी की सप्लाई बाधित थी। जल जीवन मिशन के अधिकारियों ने संज्ञान लेकर बिजली से जुड़ी तकनीकी खामी को दुरुस्त कराया, जिसके बाद ग्रामीणों को पेयजल मिलने लगा है।

### पुलिस ने 540 लीटर अवैध शराब काराया नष्ट

देवरिया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन और थानों के मालखानों में वारं से लंबित मामलों के निस्तारण को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मदनपुर पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के कुल 62 मुकदमों से संबंधित 540 लीटर ज्वब अवैध शराब को नियमानुसार नष्ट कर दिया। एसपी अभिजित आर. शंकर के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनंद कुमार पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी रूद्रपुर राजेश चव्हेदी के पर्यवेक्षण में जनपद के थानों में माल निस्तारण अभियान चलावा जा रहा है। इसी क्रम में सिमिल जज (सीनियर डिबीजन) एफटीसी प्रथम/ एसीजेएम न्यायालय, देवरिया के आदेश के अनुपालन में मदनपुर पुलिस ने यह काम उठाया। थाना परिसर में अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में गहरा गुब्बू खुलवाया गया। इसके बाद मालखाने में सुरक्षित रखी गई विभिन्न मामलों की 540 लीटर अवैध शराब को विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए उसमें बहाकर नष्ट कराया गया और गड़्डे को पटवा दिया गया।

## दो दिवसीय किसान मेला 17 एवं 18 अक्टूबर को-सूर्य प्रताप शाही

पथरदेवा(देवरिया)। जन संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री स्व.रवीन्द्र किशोर शाही की पुण्यतिथि दो दिवसीय विशाल किसान मेला नगर पंचायत पथरदेवा के अन्तर्गत आचार्य नरेन्द्रदेव इण्टर कालेज प थ र दे व ा - देवरिया के प्रांगण में 17 एवं 18 अक्टूबर को किसान मेले का भव्य शुभारम्भ होगा।उक्त आशय की जानकारी विधानसभा क्षेत्र पथरदेवा के भाजपा विधायक प्रदेश कृषि मंत्री

सूर्य प्रताप शाही एवं विकास खण्ड पथरदेवा के ब्लाक प्रमुख सुब्रत शाही ने संयुक्त प्रेसवार्ता में



आचार्य नरेन्द्रदेव इण्टर कालेज पथरदेवा में मेले का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि रामनाथ ठाकुर केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री करेंगे। प्रदेश कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि दो दिवसीय विशाल किसान मेले को ऐतिहासिक बनाने के लिए विधानसभा क्षेत्र पथरदेवा के समस्त मण्डलों के पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता मिल जुलकर कार्यक्रम का प्रचार प्रसार करें।

## जेएनयू उत्पीड़न मामला कांग्रेस सांसद के निष्कासन की मांग पर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

देवरिया। जेएनयू से जुड़े कथित यौन उत्पीड़न के मामले में मणिपुर से कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा



बिमोल अकोइजम के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर बुधवार को भाजपा महिला मोर्चा ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष आराधना पांडे के नेतृत्व में सुभाष चौक पर जुटी महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस

संवेदनशीलता दिखाये की अपील करते हुए आरोपी सांसद को पार्टी से निष्कासित करने की मांग की। प्रदर्शन में राज्य महिला आयोग की सदस्य रितु शाही सहित कई महिला पदाधिकारी मौजूद रहीं।

## भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बनने के बाद प्रथम आगमन पर एसएन सिंह का भव्य स्वागत

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता एसएन सिंह का नई जिम्मेदारी मिलने के बाद बुधवार को जनपद में प्रथम आगमन हुआ। जिला पंचायत सभागार में आयोजित अभिनंदन समारोह में पार्टी पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनका फूल-मालाओं और नारों के साथ जोरदार स्वागत किया। नेताओं ने विश्वास जताया कि उनके दीर्घ अनुभव और सांगठनिक समर्पण से पार्टी का पक्ष और सरकार की नीतियां जन-जन तक और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचेंगी। स्वागत समारोह में जिला पंचायत प्रशासक पंडित गिरीश चंद तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष काली प्रसाद, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष छटे लाल निगम और निवर्तमान जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह

सहित प्रमुख नेताओं ने एसएन सिंह को शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने संगठन के प्रति उनके योगदान की सराहना करते हुए संगठनात्मक

मजबूती और जनसंपर्क अभियान को और अधिक गति देने पर चर्चा की। विकास और सुरासन से आया जनता के जीवन में बदलाव एसएन सिंह

पत्रकारों से रूबरू होते हुए प्रदेश प्रवक्ता एसएन सिंह ने केंद्र व प्रदेश सरकार को उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश चहुँमुखी विकास, सुरासन और जनहित के नए कीर्तमान स्थापित कर रहे हैं। विकास कार्यों के साथ-साथ प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन से आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।व्यक्ति के दौरान उपस्थित पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संगठन को बुथ स्तर तक सशक्त बनाने तथा जनहित से जुड़ी सरकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

## वर्ल्ड फायर सेफ्टी इंस्टीट्यूट में आरिफ अंसारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

खुखुन्दू (देवरिया)। शिक्षा और कौशल के क्षेत्र में युवाओं की मेहत रंग ला रही है। हाल ही में राघव नगर (संजीवनी आई हॉस्पिटल के बगल में) स्थित वर्ल्ड फायर



सेफ्टी इंस्टीट्यूट, देवरिया में एक भव्य और गौरवपूर्ण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में संस्थान के डायरेक्टर शिवाब सिंह द्वारा आरिफ अंसारी को पेपर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान (2<sup>nd</sup> Rank) प्राप्त करने पर मेडल और आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।खुखुन्दू

निवासी आरिफ अंसारी (पिता- श्री मु. काशिम अंसारी) ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के दम पर यह शानदार सफलता हासिल की है।उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे संस्थान में खुशी और उत्साह का माहौल है। जानकारों का मानना है कि आरिफ की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणाबोध बनेगी और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने को प्रेरित करेगी।समारोह के दौरान संस्थान के डायरेक्टर शिवाब सिंह ने आरिफ अंसारी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे मेधावी युवा देश और समाज का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने युवाओं की प्रतिभा को सही दिशा देने और उन्हें प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।आरिफ अंसारी की इस शानदार सफलता पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं!

## कवि राम मनोहर विचित्र को काशी विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि

सलेमपुर (देवरिया)। क्षेत्र के भिंडा मिश्र के भोजपुरी व्यंग गीतों के सुविख्यात कवि स्वर्गीय कुबेर नाथ विचित्र के बेटे राम मनोहर मिश्र माहिर विचित्र एवं रंजेश कुशाल मिश्र द्वारा काशी हिन्दी विश्वविद्यापीठ में विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। यह उपाधि विद्यापीठ में आयोजित एक भव्य आयोजन में विद्यापीठ परिवार के द्वारा उन्हें दी गई। इस उपलब्धि पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति एवं सोशल

मीडिया पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार दिलावर सिंह, राष्ट्रीय मंत्री गण सुभाष यादव, बशीर खान, संतोष कुमार मिश्रा, प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर सतीश शर्मा शर्मा, देवरिया जिलाध्यक्ष श्यामानंद पाण्डेय, जिला सुचना मंत्री डॉक्टर संजय गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी संजय गुप्ता द्वितीय, गोरखपुर जिला कार्यवाहक अध्यक्ष पंचानन पाण्डेय, संगठन के आजमगढ़ मंडल प्रभारी अरविंद कुमार यादव, संजय कुमार भारती, कुलेश मिश्रा, अमरेंद्र मिश्र, रघुनाथ मिश्रा, रामजी मिश्रा, अमित कुमार मिश्र, सुनील मिश्रा, काशी चंद्रगुप्त, सुरेश मिश्रा, गोविंद मिश्रा, पत्रकार विपुल तिवारी, पत्रकार संगठन के कुशीनगर जिलाध्यक्ष उमेश गिरी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजू दुबे, प्रदेश महासचिव भगवंत यादव आदि ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

## क्रीड़ा प्रतियोगिता में भगवानपुर के छात्रों का दबदबा, बने ओवरआल चैंपियन

दुदही (कुशीनगर)।दुदही विकास खंड के गौरीश्रीराम स्थित खेल मैदान में आयोजित न्याय पंचायत स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को धर्मपुर पंचत न्याय पंचायत के कं पीओ विद्यालय भगवानपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम किया।



ब्लाक व्यायाम शिक्षक अमित श्रीवास्तव के नेतृत्व में अध्यापक धनन्जय मिश्र, राजेश यादव, दुर्गेश सिंह, अफताब साहिल को। जूनियर बालक वर्ग की कबड्डी तथा प्राथमिक स्तर के बालक और बालिका वर्ग की कबड्डी में इन्दरपट्टी के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। जूनियर स्तर की 100 मीटर दौड़

वर्ग तथा प्राथमिक स्तर के बालक और बालिका वर्ग में कं पीओ विद्यालय भगवानपुर के खिलाड़ियों ने सभी मुकाबले जीतकर स्वर्ण स्वीप किया। जूनियर स्तर की बालिका कबड्डी में भी भगवानपुर की छात्राओं ने बाजी मारी।

के बालक वर्ग में बालिका सोनी, 200 मीटर में बालक वर्ग के इरशाद और बालिका वर्ग की शाहिना, 400 मीटर में बालक वर्ग के अजित और बालिका वर्ग की अंजली तथा 600 मीटर में बालक वर्ग के सत्यम सिंह और बालिका वर्ग की सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक स्तर की 50 मीटर दौड़ में बालक वर्ग के नरेश और बालिका वर्ग की अर्चना, 100 मीटर में बालक वर्ग के राकेश निषाद और बालिका वर्ग की अर्चना, 200 मीटर में बालक वर्ग के फिरोज और बालिका वर्ग की टीम ने बस स्टैंड,

400 मीटर में बालक वर्ग के आकाश चौहान और बालिका वर्ग की नेहा प्रथम रहीं। इस दौरान नोडल बालकृष्ण, शिशुकगण ओपी सिंह, नन्हे प्रसाद, राजेश सिंह, अभिषेक चौबे, सुकेश यादव, रमजीश गुप्ता, रवि आर्न, योगेंद्र कुमार सहित छात्र निषा, रानी, नीलू आदि उपस्थित रहे।

## विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी,पुलिस जांच में जुटी

चौराखास(कुशीनगर)।स्थानीय थाना क्षेत्र के भठहीबुजुर्ग प्राथमिक विद्यालय में जोरों ने बीती रात ताला



तोड़कर गैस सिलेण्डर,पानी,मोटर चुरा ले जाने में सफल हो गये।विद्यालय के प्रधानाध्यापिका बबिता पातक के अनुसार 14 अक्टूबर की सुबह जब

विद्यालय पहुंची तो देखा कि कश का ताला,कुण्डी टूटा था उसके बाद रसोई गैस से गैस सिलेण्डर, पानी, मोटर नहीं था। उन्होंने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दिया जो मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। विद्यालय में इसके पहले भी चोरी हो चुकी है। थाना प्रभारी महेन्द्र राम प्रजापति ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है जांच की जा रही है।

## खुखुन्दू में सामाजिक संदेश के साथ सजी दुर्गा प्रतिमाएं

खुखुन्दू बाजार में पिछले 28 वर्षों से त्रिमूर्ति स्तर क्लब द्वारा दुर्गा प्रतिमा की स्थापना की जा रही है।

स्थापना केवल एक परंपरा नहीं होनी



चाहिए, बल्कि इनसे समाज को एक

नई दिशा और दशा मिलनी चाहिए, जिससे सामाजिक बदलाव संभव हो सके।क्लब के इतिहास पर नजर डालें तो 90 के दशक में सिकंदर सिंह पटेल, नियाज अहमद अंसारी, हरेश गुप्ता, स्वर्गीय निराला मास्टर् की १०संराम संगीत समिति सड़वार१० जैसी कमेटियों ने दशहरा के अवसर पर राक्षस से ओत-प्रोत एकांकी प्रस्तुत किया करते थे, जो समाज में एक सकारात्मक बदलाव की मिसाल पेश करते थे।इस सफल और प्रेरणादायक आयोजन को सफल बनाने में डेविड कुमार, गौरव कुमार, विकास गुप्ता, मनीष गुप्ता, रवि बरनवाल, नितेश कुशवाहा, सूरज वर्मा और हर्ष गुप्ता जैसी युवा टीम का विशेष योगदान है।

## चीनका फिर प्रलाप

चीन भारतसे अपने द्विपक्षीय सम्बन्धोंको सामान्य बनानेकी बातें तो करता है, जो उसकी कूटनीतिका हिस्सा है। लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। उसकी कथनी और करनीमें जमीन–आसमानका अन्तर है। इसलिए उसकी किसी भी बातपर विश्वास नहीं किया जा सकता है। चीनने फिर पुराना प्रलाप शुरू कर दिया है और दावा किया है कि लद्दाखको २८ जगहें उसकी अपनी है। चीन लद्दाखको भारतकी ओरसे बनाये गये केन्द्रशासित प्रदेशको भी नहीं मानता है। भारतने इस प्रकरणमें चीनको करारा जवाब दिया है और कहा है कि लद्दाख भारतका अर्धिन अंग है और अविभाज्य हिस्सा है। भारतने कुछ दिन पूर्व ही लद्दाखमें २८ स्थानोंको आधिकारिक नाम देनेका फैसला किया था। मंगलवारको चीनकी ओरसे इसपर विरोध जताया गया था। भारतने चीनके इस अनर्गल दावेको सिरसे खारिज कर चीनको दो–टुका जवाब दिया है। इससे सीमा मुद्देपर मतभेद फिर उजागर हु–आ है, जो आपसी रिश्तोंमें कटुता उत्पन्न करने वाला है। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि सर्वे आफ इण्डियाके आधिकारिक नक्शेपर लद्दाखके २८ स्थानोंको मानक नाम दिये गये हैं। विगत दो अक्तूबर, २०२६ को भारत सरकारने लद्दाखके २८ स्थानों और भौगोलिक विशेषताओंको सर्वे आफ इण्डियाके आधिकारिक मानचित्रपर मानकीकृत नामोंके साथ दर्ज किया है। इनमें पर्वत, चोटियां, दर्रे, ग्लेशियर, घाटियां, नदियां, झील और अन्य भू–भाग शामिल हैं। इसका उद्देश्य भारतके आधिकारिक नक्शोंमें इन स्थानोंकी पहचानको स्पष्ट और व्यवस्थित करना तथा इनके बारेमें जागरूकता बढ़ाना है। इनमें गोगरा और हाट सिंग्रंग विशेष रूपसे महत्वपूर्ण है। दोनों २०२० को भारत–चीन सैन्य गतिरोधके प्रमुख टकराव वाले क्षेत्रोंमें रहे हैं। इस मामलेमें चीनने जो बयान दिया है, वह स्थान नामकरणका विरोध नहीं है, बल्कि इसके पीछे चीनका पुराना सीमा दावा भी स्पष्टतः दिखायी देता है। भारतने इस पूरे विवादको अपनी सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखण्डताके स्पष्ट पुनर्पुष्टिकरणके रूपमें देखा है। लद्दाखका मौजूदा विवाद २०२० के सैन्य गतिरोधसे जुड़ा है। गलवान घाटीमें जून २०२० में हुई हिंसक झड़पमें भारतीय और चीनी सैनिकोंकी जान गयी थी। इसके बाद दोनों देशोंने पूर्वी लद्दाखमें बड़े पैमानेपर सैनिक और सैन्य संसाधन तैनात किये थे। लेकिन बादमें कुछ स्थितियां बदलें लें लेकिन पूरी सीमाका अन्तिम समाधान अभी नहीं हुआ है। भारत और चीनके बीचपर वास्तविक नियंत्रण रेखाके कई हिस्सोंकी संवेदनशील भौगोलिक और सामरिक स्थितिको देखते हुए भारतको इसमें किसी तरहकी हिलाईसे बचना होगा और मजबूत दबाव बनाये रखना होगा।

## लोभ–लापरवाहीका खामियाजा

बिहारके वैशाली जिलेमें मंगलवारकी रात गंगामें नाव डूबनेकी दुर्भागपूर्ण घटनामें १३ लोगोंकी मौत अल्पन्न दुःख है। मृतकोंमें दस लड़कियां और तीन लड़के हैं जिनकी उम्र छहसे १८ वर्ष बतायी जा रही है। छोटी नावपर क्षमतासे अधिक २० से २५ लोग सवार थे जो राधोपुरमें श्राद्ध भोजमें शामिल होने जा रहे थे। कुछ लोगोंने तैर कर अपनी जान बचायी, जबकि कई लोग लापता बताये जा रहे हैं उनकी तलाश जारी है। डूब रहे लोगोंकी चीख–पुकार सुनकर स्थानीय लोग तत्काल पहुंचकर १७ लोगोंको पानीसे बाहर निकाला। सहीको प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकोंने १३ को मृत घोषित कर दिया और तीनको गम्भीर स्थितिमें पटना मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। ग्रामीणोंके अनुसार नावमें छेद था जिसके चलते यह दर्दनाक हादसा हुआ। नावमें पानी भरते ही उसमें सवार लोगोंमें अफरा–तफरी मच गयी। इस दौरान किनारे मौजूद लोग नदीमें कूद पड़े और तैरकर डूब रहे लोगोंको बाहर निकाला लेकिन तबतक बहुत देर हो चुकी थी और १३ लोगोंकी जान चली गयी। घटनापर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीने मृतकोंके परिजनोंको दो–दो लाख रुपये और घायलोंको ५० हजार रुपये मददकी घोषणा की है। वहीं बिहारके मुख्य मंत्री सम्राट चौधरीने मृतकोंके परिजनोंको चार–चार लाख रुपयेकी अनुग्रह राशि देनेका ऐलान किया। इस हादसेके लिए नाविक पूरी तरह जिम्मेदार माना जायगा, जिसने छोटी नावपर क्षमतासे अधिक सवारियोंकी जगह दो जिसके चलते यह लापरवाहीका सफर साबित हुआ। ऐसा अकसर होता है कि नाविक पैसेकी लालचमें नावकी क्षमता सीमा लांघ कर सवारी बैठा लेते हैं। वे खुद तो बच निकलते हैं, क्योंकि वह अच्छे तैराक होनेके साथ अनुभवी भी होते हैं, लेकिन सवारियोंको इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे नाविकोंके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए जो दूसरोंके लिए सबक बने। लोगोंको भी सतर्क रहना होगा।

## लोक संवाद

### शक्ति उपासनासे नवीन ऊर्जाका संचार

महोदय,-भारत पर्व और त्योहारोंका देश कहा जाता है। यह पर्व हमारे जीवनमें मानों नवीनताका संचार करते हैं और हमें एक नवीन ऊर्जासे भर देते हैं। इन्हीं पर्वोंमें नवरात्र अपने आपमें महान पर्व है, जिसमें शक्ति स्वरूपा मां दुर्गाकी उपासना भी हमारे अन्दर सात्विकताका संचार करती है। वही आदि शक्ति ही सब प्राणियोंमें शक्ति, निद्रा, विद्या, तृप्ति आदि रूपोंमें विद्यमान है। उन्हींसे यह सारा जगत व्याप्त है। उपासनाका अर्थ है समीप और आसनाका अर्थ बैठना है। अर्थात् हम जिनकी उपासना कर रहे हैं उनका चिंतन–मनन करें। नवरात्र पर्वपर देवीकी विभिन्न रूपोंमें उपासना भी हमारे भीतर एक नवीन ऊर्जाका संचार कर देती है। दो गुप्त नवरात्र और वासंतिक और शारदीय नवरात्र होते हैं। शारदीय और वासंतिक नवरात्र ज्यादा प्रसिद्ध हैं। गुप्त नवरात्रमें भी शक्ति स्वरूपा मां जगदंबाकी उपासना, पूजन, अर्चना हमें मनोवांछित फल प्रदान करती है और शक्तिके बिना न तो हमारा अस्तित्व है और न ही इस संसारका। यह पर्व मानों हमें यही स्मरण दिलाता है कि कोई अदृश्य शक्ति है जिनसे यह सारा संसार व्याप्त और गतिमान है। मार्कण्डेय पुराण अन्तर्गत दुर्गा सप्तशतीमें भगवती दुर्गा और उनकी महिमाका विस्तारसे वर्णन है कि वही शक्ति स्वरूपा देवी दुर्गा दानव शक्तियोंका नाश करती हैं और उन्होंने देवताओंसे स्वयं कहा है कि जब जब दानवीय शक्तियोंका उत्थान होगा अर्थात् अधर्म बढ़ेगा तब अलग–अलग स्वरूपोंमें वही शक्ति स्वरूपा दुर्गा अवतार लेकर असुरोंका विनाश करेंगी। भगवान शिव और पार्वती भी शिव और शक्ति माने जाते हैं। भगवान रामने भी रावणपर विजय प्राप्त करनेके लिए इन्हीं शक्तिकी उपासना की थी। इस पर्वपर घर–घरमें मां दुर्गाका पूजन अर्चन, मांके सुमधुर गीत, कन्या पूजन, हवनसे मानों वातावरणमें भी एक नवीन चेतनाका संचार होता है। नारी सम्मान हमारे देशकी संस्कृति रही है। यह पर्व भी हमें यही सीखाता है कि स्त्री हर रूपमें आदरणीय है। यह पर्व देवीकी उपासना पूजन और उनका सतत स्मरणसे हमें अपने भीतर एक नवीन ऊर्जाका संचार करनेका अवसर है। शारदीय नवरात्रिसे ऋतुमें परिवर्तन होने लगता है और प्रकृति सर्दीको चादरमें सिकुड़ने लगती है, ऐसेमें नवरात्रिकी नौ दिनोंकी अवधिमें उपासक संतुलित और सांत्विक भोजन ग्रहण कर अपना ध्यान चिंतन और मननमें लगाकर स्वयंको भीतरसे शक्तिशाली बना सकते हैं, जिससे ऋतु परिवर्तनका उनकी सेहतपर बुरा असर नहीं पड़ता। नवरात्रिके नौ व्रत रखनेसे न केवल स्वयंको मानसिक रूपसे भीतरसे शक्तिशाली बनाया जा सकता है, बल्कि उतम स्वास्थ्यकी दृष्टिसे भी इसके कई लाभ होते हैं। मान्यता है कि जो भक्त नवरात्रिका व्रत रखते हैं, वे दूसरोंकी तुलनामें आरोग्य जीवन जीते हैं। दरअसल नवरात्र व्रतके दौरान लोग गरिष्ठ भोजन ग्रहण करते हैं और फल ग्रहण करते हैं, जिससे बाँझ डिटोक्स होती है, तनावकी समस्या दूर होती है और त्वचामें निखार भी बढ़ता है। नवरात्र व्रत रखनेसे शरीरमें कोलेस्ट्रॉलका स्तर भी कम हो जाता है। नौ दिनोंतक पूरे संयमके साथ व्रत रखनेसे आध्यात्मिक फायदोंके अलावा पेटको आराम मिलनेसे उसकी सेहत अच्छी होती है, रक्तचाप नियंत्रित होता है, गठिया, अस्थमा, एलर्जी, हृदय रोगोंमें आराम मिलता है, नींद बेहतर होती है, उम्र लंबी होती है तथा कैंसर, अल्जाइमर जैसी गम्भीर बीमारियोंका जोखिम भी कम होता है। –**अविलेखे कुमार मिश्र, वाराणसी**।

# विरोधके अधिकारपर सर्वोच्च टिप्पणी

**लोकतंत्र केवल चुनाव कराने, सरकार बनाने और शासन चलानेकी व्यवस्थाका नाम नहीं है। इसकी वास्तविक शक्ति नागरिकोंको अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और सरकारकी नीतियोंपर प्रश्न उठानेकी स्वतंत्रता देनेमें निहित है। दिल्लीमें निर्वाचन प्रक्रियाको लेकर हुए विरोध प्रदर्शनोंके बीच सुप्रीम कोर्टका हस्तक्षेप अत्यन्त महत्वपूर्ण है।**

#### □ महेन्द्र तिवारी

**न्या** जिस लोकतांत्रिक व्यवस्थामें नागरिक अपनी शिकायतें खुलकर सामने रख सकें, शांतिपूर्ण ढंगसे विरोध कर सकें और अपनी मांगोंके समर्थनमें आवाज उठा सकें, वही व्यवस्था लोकतांत्रिक मूल्योंको मजबूत करती है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन और सार्वजनिक व्यवस्थाके बीच टकरावकी स्थिति पैदा होती है, तब नागरिक अधिकारोंकी रक्षा और कानूनका पालन सुनिश्चित करना प्रशासनके लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। दिल्लीमें निर्वाचन प्रक्रियाको लेकर हुए विरोध प्रदर्शनोंके बीच सर्वोच्च न्यायालयका हस्तक्षेप इसी संदर्भमें महत्वपूर्ण है। १० अक्तूबर २०२६ को दिल्लीमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त जगेश कुमारके इस्तीफे और मतदाता सूचीके विशेष गहन पुनरीक्षणको लेकर विरोध प्रदर्शनका आह्वान किया गया था। प्रदर्शनकारियों और विपक्षी दलोंने निर्वाचन प्रक्रियामें कथित अनियमितताओंको लेकर सवाल उठाये। उनका आरोप था कि मतदाता सूचीमें बदलावकी प्रक्रियासे कुछ वगैी मतदाताओंके अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर निर्वाचन आयोगने प्रक्रियामें पक्षपातके आरोपोंको खारिज किया है। सतारूढ़ दलने भी विपक्षके आरोपोंपर जवाब जतायी है। इसलिए इस पूरे विवादमें आरोपों, आधिकारिक स्पष्टीकरणों और प्रमाणित तथ्योंको अलग–अलग समझना आवश्यक है। प्रदर्शनके मद्देनजर दिल्लीके कई हिस्सोंमें सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गयी। मेट्रो स्टेशनोंका बंद करने, आवागमन सीमित करने और इंटरनेट सेवाओंपर प्रतिबंध लगाने जैसे कदमोंकी खबरें सामने आयीं। बड़ी संख्यामें लोगोंको हिरासतमें लिये जानेकी सूचना भी मिली। इन कदमोंसे केवल प्रदर्शनकारियोंकी गतिविधियां प्रभावित नहीं हुईं, बल्कि आम नागरिकोंकी आवाजही, दैनिक कामकाज और सार्वजनिक परिवहनपर भी असर पड़ा। ऐसेमें यह प्रश्न उठना स्वाभाविक था कि मुश्का व्यवस्था बनाये रखनेके लिए किये गये प्रबंध किस सीमातक आवश्यक और उचित थे।

इसी पृष्ठभूमिमें ११ अक्तूबर २०२६ को सर्वोच्च न्यायालयने विशेष सुनवाई करते हुए अधिकारियोंको बन्द महत्वपूर्ण अंतिम निर्देश दिये। न्यायालयने कहा कि शांतिपूर्ण और निरन्ध्रे लोगोंको कानूनमें निर्धारित प्रक्रियाके बिना हिरासतमें नहीं लिया जाना चाहिए। उसने मेट्रो और रेल सेवाओंको सामान्य रूपसे चलाने, बेहतरमें यातायात नियमोंके अधीन लोगोंकी आवाजही सुनिश्चित करने तथा इंटरनेट सेवाओंको अनिवार्यक रूपसे बाधित न करनेपर जोर दिया। न्यायालयने सड़कोंपर लगाये गये अवरोधोंकी तत्काल समीक्षा करने और अदालतोंतक लोगोंकी पहुंच सुनिश्चित करनेके निर्देश भी दिये। इन निर्देशोंके साथ यह स्पष्ट रखा गया कि सार्वजनिक व्यवस्थाकी वास्तविक आवश्यकता होनेपर कानूनके अनुसार उचित प्रतिबंध लगाये जा सकते हैं।

# विकासमें युवा शक्तिका योगदान

**विद्यार्थी राष्ट्रकी सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उनकी आंखोंमें पलने वाले सपने, मनमें उठने वाले विचार और कर्ममें दिखने वाला संकल्प ही देशके भविष्यकी दिशा निर्धारित करता है।**

#### □ प्रो.मनोज डोगरा

**आ**जके विद्यार्थी हो कलके वैज्ञानिक, शिक्षक, चिकित्सक, प्रशासक, उद्यमी, सैनिक और राष्ट्रनिर्माता हैं। इसलिए विद्यार्थियोंकी प्रतिभाको निखारना, उन्हें सही दिशा देना और उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करना केवल परिवार या शिक्षण संस्थानोंको जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाजकी है। इसी संदर्भमें विश्व विद्यार्थी दिवसका महत्व और भी बढ़ जाता है। भारतमें २५ अक्तूबरको पूर्वं राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और युवाओंके प्रेरणास्रोत डा. एपीजे अब्दुल कलामकी जयंतीके अवसरपर विश्व विद्यार्थी दिवस मनाया जाता है। इस दिवसका उद्देश्य विद्यार्थियोंके जीवनमें शिक्षा, ज्ञान, अनुशासन, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोणके महत्वको रेखांकित करना है। डा. कलामका संपूर्ण जीवन इस बातका प्रमाण है कि साधारण परिस्थितियोंमें जन्म लेने वाला व्यक्ति भी असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कर सकता है, बशर्ते उसके पास बड़े सपने देखनेका साहस और उन्हें साकार करनेके लिए निरन्तर परिश्रम करनेका संकल्प हो।

डा. कलामका जीवन विद्यार्थियोंके लिए प्रेरणा– डा. कलामका जीवन संघर्ष, सादगी, अनुशासन और समर्पणकी अनुपम मिसाल है। तमिलनाडुके रामेश्वरमें एक साधारण परिवारमें जन्मे कलामने कठिन परिस्थितियोंके बावजूद शिक्षाके प्रति अपनी लगनको कभी कम नहीं होने दिया। अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियोंके माध्यमसे उन्होंने भारतके अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमोंमें महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष २००२ में वह भारतके राष्ट्रपति बने, लेकिन सर्वोच्च संवैधानिक पदपर पहुंचनेके बाद भी उनका सबसे प्रिय पारिचय एक शिक्षकका ही रहा। डा. कलामका विश्वास था कि बच्चों और युवाओंके भीतर देशको बदलनेकी क्षमता है। वह विद्यार्थियोंसे संवाद करते, उनके प्रश्नोंको प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित करनेकी प्रेरणा देते थे। उनका जीवन संदेश देता है कि सफलता केवल संसाधनोंको प्रचुरतासे नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरन्त अभ्यास और सकारात्मक सोचसे प्राप्त होती है। आज जब विद्यार्थी परीक्षा, प्रतिस्पर्धा और भविष्यकी अनिश्चितताओंके दबावसे गुजर रहे हैं, तब कलामके विचार पहलेसे कहीं अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। विद्यार्थियोंको यह समझना होगा कि असफलता जीवनका अंत नहीं, बल्कि अपनी कमियोंको पहचानकर आगे बढ़नेका अवसर है। शिक्षाका उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, वर्तमान समयमें शिक्षाको अक्सर परीक्षामें प्राप्त अंकों, डिग्रियों और नौकाई हासिल करनेके माध्यमके रूपमें देखा जाता है। निस्संदेह रोजगार प्राप्त करना शिक्षाका एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है, लेकिन शिक्षाका वास्तविक लक्ष्य इससे कहीं व्यापक है। शिक्षा व्यक्तिको विवेकशील बनाती है, सही और गलतके बीच अंतर जाना सिखाती है तथा समाजके प्रति उसको जिम्मेदारियोंका बोध कराती है। यदि कोई विद्यार्थी

# नये युगमें पुलिसकी विशेष भूमिका

#### □ अजय सिंहल

**न**ब्बेके दशकमें, एक ट्रेनी आईपीएस अधिकारीकी तौरपर जब मैं पहली बार किसी थानेमें गया तो मुझे आज भी अच्छेसे याद है कि वहां मुंशी हैड कांस्टेबलके हाथसे लिखा रोजनामचा (रजिस्टर), टेबलपर रखा काले रंगका भारी–भरकम डायल वाला लैंडलाइन फोन, जिसकी रिंगटोन अपनी मजरीसे सुनाई देती और फोल्डमें जानेकी तैयार कुछ बीट कांस्टेबल। तब पुलिस दक्षता इस बातसे आंकी जाती थी कि पुलिस कितनी जल्दी मौकेपर पहुंची और कितने लोगोंको गिरफ्तार किया पर बीते तीन दशकोंमें अंग्रेजोंके जमानेकी पुलिसके मॉडलका नजिरा पूरी तरहसे बदल गया। सरकारने अंग्रेजोंकी गुलामीके जमानेके सीआरपीसी १८६१ जैसी अपराधकी धाराओंको बदल १ जुलाई, २०२४ से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) जैसे तीन नये अपराधिक कानून लाकर देशकी कानून व्यवस्थामें एक क्रांतिकारी बदलाव किया।

साथ ही टेक्नोलॉजी आधारित नये दौरकी पुलिससे जन–सुरक्षाकी और अधिक मजबूत करनेकी दृष्टातमें खुफिया जानकारी, डाटा और सामुदायिक वस्तुतोंका लक्ष्य नये सिरेसे तय किया कि अपराधियोंपर कार्रवाईके अलावा पुलिसको अपराध घाटित होनेसे पहले ही कैसे रोकने हैं। परम्परागत पुलिसिंग अब टेक्नोलॉजी आधारित अपराध निवारक भूमिकाकी ओर तेजीसे बढ़ रही है। हरियाणा में १२२ डायल करके कोई भी व्यक्ति इस एक नंबरसे ही पुलिस, अग्निशमन और स्वास्थ्य सेवाओंतक पहुंच सकता है।

*जो व्यक्ति किसीसे धन एवं सामग्रीकी सहायता लेनेके पश्चात अपने दिये हुए वचनका पालन नहीं करता तो वह संसारमें सबसे अधिक निकृष्ट माना जाता हैं।*
**□ हितोपदेश**

इस घटनाक्रमका महत्व इसलिए भी है कि संविधान नागरिकोंको केवल अधिकार ही नहीं देता, बल्कि शासनकी शक्तियोंकी सीमाएं भी निर्धारित करता है। भारतीय संविधानका अनुच्छेद–१९ नागरिकोंकी अभिव्यक्तिकी स्वतंत्रता और शांतिपूर्वक तथा बिना हथियारोंके एकत्र होनेका अधिकार प्रदान करता है। ये अधिकार लोकतंत्रमें नागरिक सहभागिताका आधार हैं। हालांकि इनपर संविधानमें निर्धारित आधारोंपर उचित प्रतिबंध लगाये जा सकते हैं। इसलिए विरोध करनेकी स्वतंत्रताका अर्थ कानूनसे ऊपर होना नहीं है और न ही सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखनेका अर्थ नागरिकोंके अधिकारोंको मनमाने ढंगसे सीमित करना है।

प्रशासनकी जिम्मेदारी है कि वह संभावित हिंसा, यातायात अवरोध और सार्वजनिक संपत्तिको होने वाले नुकसानसे बचानेके लिए आवश्यक कदम उठाये। लेकिन किसी संभावित खरोंके आशंकाके आधारपर सभी लोगोंकी आवाजहां रोक देना या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियोंको बिना वैधानिक आधारके हिरासतमें लेना उचित नहीं माना जा सकता। प्रतिबंधोंका औचित्य, उनकी अवधि और उनका दायरा परिस्थितियोंके अनुरूप होना चाहिए। जहां सीमित व्यवस्थासे समस्याका समाधान संभव हो, वहां व्यापक प्रतिबंधोंके कारण आम नागरिकोंको अनावश्यक परेशानीमें डालनेसे बचना

चाहिए। दिल्ली जैसे महानगरमें मेट्रो और रेल सेवाएं केवल यातायातके साधन नहीं हैं। लाखों लोग प्रतिदिन इन सेवाओंके माध्यमसे अपने कार्यस्थलों, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों और अन्य आवश्यक स्थानोंतक पहुंचते हैं। अचानक परिवहन सेवाएं बंद होनेसे विद्यार्थियोंको पढ़ाई, कर्मचारियोंकी उपस्थिति, मरोंकी चिकित्सा और छोटे कारोबारियोंकी आजीविका प्रभावित हो सकती है। इसी प्रकार इंटरनेट सेवाएं आज शिक्षा, बैंकिंग, व्यापार, संचार और आपातकालीन सहायताका महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसलिए इनके व्यापक प्रतिबंधका प्रभाव प्रदर्शन स्थलसे कहीं अधिक दूरतक पहुंचता है।

इस संदर्भमें सर्वोच्च न्यायालयकी भूमिका केवल किसी एक प्रदर्शनको लेकर आदेश देनेतक सीमित नहीं है। न्यायपालिकाका दायित्व यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रशासनिक कार्रवाई संविधान और कानूनके अनुरूप हो। जब नागरिकोंकी लगता है कि उनके अधिकार प्रभावित हो रहे हैं, तब न्यायालयसे राहतकी अपेक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्थाका स्वाभाविक हिस्सा है। हालांकि न्यायिक हस्तक्षेपका अर्थ यह नहीं है कि किसी विवादमें एक पक्षके सभी आरोप स्वतः सिद्ध हो गये। न्यायालयके अंतिम

उच्च अंक प्राप्त कर ले, लेकिन उसमें ईमानदारी, संवेदनशीलता, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारीका अभाव हो तो उसकी शिक्षा अधूरी मानी जायगी। शिक्षण संस्थानोंका उद्देश्य केवल मफल पेशेवर तैयार करना नहीं, बल्कि अच्छे नागरिकोंका निर्माण करना भी होना चाहिए। आज आवश्यकता ऐसी शिक्षा व्यवस्थाकी है, जिसमें किताबी ज्ञानके साथ व्यावहारिक अनुभव, नैतिक मूल्य, संवाद कौशल, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समस्या समाधानकी क्षमताको भी समान महत्व मिले। विद्यार्थियोंको प्रश्न पूछने, नये विचार प्रस्तुत करने और अपनी गलतियोंसे सीखनेके लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। प्रश्न करने वाला विद्यार्थी ही आगे चलकर अनुसंधानकर्ता और नवाचारक बन सकता है।

डिजिटल युगमें विद्यार्थी और नये चुनौतियां– इक्कीसवीं सदीका विद्यार्थी ऐसे दौरमें शिक्षा प्राप्त कर रहा है, जहां मोबाइल फोन, इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल माध्यमोंने ज्ञानतक पहुंचको आसान बना दिया है। आज घर बैठे दुनियाके प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानोंकी अध्ययन सामग्री प्राप्त की जा सकती है। आनलाइन कक्षाओं और डिजिटल पुस्तकालयोंने सीखनेके नये अवसर उपलब्ध कराये हैं। लेकिन इन सुविधाओंके साथ कुछ गम्भीर चुनौतियां भी सामने आयी हैं। सोशल मीडियाका अत्यधिक उपयोग, मोबाइलपर अनावश्यक समय बिताना, गलत सूचनाओंका प्रसार और डिजिटल मॉनैजमेंटकी लत विद्यार्थियोंकी एकाग्रताको प्रभावित कर सकती है। कई विद्यार्थी दूसरोंकी उपलब्धियोंसे अपनी तुलना करके तनावका अनुभव करते हैं और अपने आत्मविश्वासको कमजोर कर लेते हैं। तकनीक अपने आपमें न अच्छी है और न बुरी, उसका उपयोग किस उद्देश्यसे किया जा रहा है, यह अधिक महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियोंको डिजिटल साधनोंका इस्तेमाल जान अर्जित करने, नये क्षमताएं विकसित करने और रचनात्मक कार्योंके लिए करना चाहिए। उन्हें यह भी सोचना होगा कि इंटरनेटरपर उपलब्ध प्रत्येक जानकारी सत्य नहीं होती। तथ्योंकी जांच करना, विश्वसनीय स्रोतोंको पहचानना और अपनी स्वतंत्र सोच विकसित करना आजकी अनिवार्य आवश्यकताएं हैं।

मानसिक स्वास्थ्य और परीक्षाका दबाव– विद्यार्थियोंके सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियोंमेंसे एक मानसिक दबाव भी है। अच्छे अंक प्राप्त करने, प्रतियोगी परीक्षाओंमें सफल होने और मनचाहा करियर चुननेकी दौड़में कई विद्यार्थी तनावका सामना करते हैं। कुछ मामलोंमें अधिभावकोंकी अत्यधिक अपेक्षाएं और समाजमें सफलताकी सीमित परिभाषा इस दबावको और बढ़ा देती है। यह समझना जरूरी है कि प्रत्येक विद्यार्थीकी रुचि, क्षमता और सीखनेकी गति अलग होती है। सभी विद्यार्थियोंसे एक जैसी उपलब्धियोंकी अपेक्षा करना उचित नहीं है। किसीकी रुचि विज्ञानमें हो सकती है तो कोई साहित्य, संगीत, खेल, कला या उद्यमितामें बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। अधिभावकों और शिक्षकोंकी विद्यार्थियोंकी तुलना दूसरोंके बजाय उनको व्यक्तिगत प्रगतिपर ध्यान देना चाहिए। फिटलहल विकसित भारतका सपना युवा पीढ़ी ही साकार करेगी।

इस नंबरपर हर साल ५० लाखसे ज्यादा आने वाली कॉलसेस पुलिसकी शहरों और गांवोंमें पहुंचे औसत सात मिन्टमें संभव हुई है। रातके अंधेरेमें जब कोई अकेली महिला खरोंके साथेमें अपने मोबाइल फोनपर दुर्गा शक्ति ऐप बटन दबाती है तो उसकी मौजूदा लोकेशन पुलिसके कमांड सेंटरकी जाती है। यह घरसे दूर एक कामकाजी महिलाकी सुरक्षाके लिए टैक्नोलॉजी आधारित एक अनूठी पहल है।

हैल्पलाइन १९३० पुलिस अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियोंके साथ जुड़ी है, जहां साइबर अपराध संबंधी हर दिन करीब ५,००० काल आती हैं और बैंक खातेसे पैसा निकलनेसे पहले संधिघ्न ट्रांसफर फ्रीज कर दिया जाता है। साइबर फ्राडके मामले रोडनेमें देशमें अव्वल हरियाणा में करीब ४० फीसदी पैसा साइबर फ्राड पीडितोंकी वापस दिलाया गया है। एक लाख रुपयेसे अधिकके साइबर फ्राड वाली किसी भी आनलाइन शिकायतपर अपने आप जीरो एफआईआर थानेके क्षेत्राधिकारकी बाधाके बिना देशके किसी भी इलाकेमें दर्ज हो रही है। हरियाणा पुलिसका 'अभेद्य' ऐप अब अज्ञात अंतरराष्ट्रीय बजरन वसूली केसों कालेको संबंधित लोगोंतक पहुंचनेसे पहले हो सकता है। दोहरा ओटीपी नंबर, संधिघ्न यूपीआई लेन–देनकी ब्लॉक करता है, जिससे 'डिजिटल अर्रेस्ट' जैसे घोटालेपर अंकुश लगाया जा रहा है। ईंग्ल एपेसे ड्यूटीपर तैनात पुलिस अधिकारी हिरासतमें लिये किसी व्यक्तिके चेहरेकी तुरन्त तुलना अपराधियोंके डाटाबेससे कर फर्जी लोगोंको पकड़ सकता है।

राष्ट्रीय स्वाचलित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएफआईएस) अपराध स्थलसे मिले धुंधले फिंगरप्रिंटको कुछ ही सेकेंडमें राष्ट्रीय रिकॉर्डमें मौजूद एंट्रीसे मिलान करते हैं। स्पाट ई–बीट जीपीएससे पुलिस फोर्सकी

निर्देश, प्रारंभिक टिप्पणियां और अंतिम निर्णय अलग–अलग प्रक्रियाएं हैं। दिल्लीके मामलेमें भी अधिकारियोंसे जवाब और अनुपालन संबंधी जानकारी मांगी गयी है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रस्तुत साक्ष्यों और आगेकी न्यायिक प्रक्रियाके आधारपर ही निकाला जाना चाहिए। निर्वाचन प्रक्रियासे संबंधित विवादका एक व्यापक पक्ष जनताका विश्वास है। चुनाव लोकतंत्रकी बुनियादी प्रक्रिया हैं और मतदाता सूची उनकी विश्वसनीयताका महत्वपूर्ण आधार है। मतदाता सूचीका पुनरीक्षण आवश्यक हो सकता है, क्योंकि समयके साथ मृत्यु, स्थान परिवर्तन और अन्य कारणोंसे अभिलेखोंमें बदलाव करना पड़ता है। लेकिन इस प्रक्रियामें किसी पात्र नागरिकका नाम गलत तरीकेसे हटाना उसके मताधिकारकी प्रभावित कर सकता है। इसलिए सूचीमें संशोधन करते समय पारदर्शिता, स्पष्ट मानदंड, उचित सूचना और शिकायतोंके निवारणकी प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। राजनीतिक दलों और नागरिकोंकी आपत्तियोंका समाधान प्रमाणोंके आधारपर होना चाहिए। विरोध प्रदर्शन भी लोकतंत्रमें संवादाका माध्यम है। नागरिक जब किसी निर्णयसे असहमत होते हैं तो शांतिपूर्ण ढंगसे अपनी मांग रखना उनका संवैधानिक अधिकार है। साथ ही प्रदर्शन आयोजित करने वालोंका दायित्व है कि वे कानूनका पालन करें,

हिंसासे बचें और दूसरे नागरिकोंके अधिकारोंका सम्मान करें। प्रशासनकी भी प्रदर्शनकारियोंके साथ संवाद स्थापित करना चाहिए, ताकि तनाव कम किया जा सके और सार्वजनिक सुविधाएं बाधित न हों। दोनों पक्षोंकी जिम्मेदारी और संयमसे ही ऐसी परिस्थितियोंका समाधान

संभव है। आज आवश्यकता इस बात की है कि लोकतांत्रिक असहमतिको केवल कानून–व्यवस्थाकी समस्याके रूपमें न देखा जाय। असहमति किसी भी जीवंत लोकतंत्रका स्वाभाविक अंग है। उसी प्रकार हर विरोधको स्वतः उचित मान लेना भी पर्याप्त नहीं है। उसकी प्रकृति, उद्देश्य और तरीकेका मूल्यांकन कानून तथा तथ्योंके आधारपर किया जाना चाहिए। सरकार, प्रशासन, निर्वाचन आयोग, राजनीतिक दल और नागरिक समाज सभीकी भूमिका महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च न्यायालयके हस्तक्षेपसे एक बार फिर यह संदेश सामने आया है कि सार्वजनिक व्यवस्था और नागरिक स्वतंत्रताको परस्पर विरोधी मानकर नहीं चलना चाहिए। कानूनका उद्देश्य अधिकारोंको समाप्त करना नहीं, बल्कि उनका संरक्षण करते हुए समाजमें व्यवस्था बनाये रखना है। लोकतंत्रकी वास्तविक मजबूती तब दिखाई देती है, जब नागरिक बिना भयके अपनी बात रख सकें, प्रशासन निष्पक्षतासे अपने दायित्व निभाये और न्यायपालिका आवश्यकता पड़नेपर संवैधानिक सीमाओंकी रक्षा करे। विरोधकी आवाज सुनना, असहमति का सम्मान करना और कानूनका समान रूपसे पालन सुनिश्चित करना ही एक उत्तरदायी लोकतांत्रिक व्यवस्थाकी पहचान है।



## ध्यानकी प्रक्रिया

#### □ ओशो

**ध्या**नका अर्थ है, एक ऐसी अवस्था, जब जानेको कुछ भी नहीं बचा। सिर्फ जानने वाला ही बचा। उससे छुटकारेका कोई उपाय नहीं है। लाख भागो पहलड़ोंपर और रेगिस्तानोंमें, चांद–तारोंपर, लेकिन तुम्हारा जानने वाला तुम्हारे साथ होगा। क्योंकि वह तुम हो, वह तुम्हारा अस्तित्व है। रोज घड़ीभर, कभी भी सुबह या सांझ या दोपहर, इस अनूठे आश्रमकी देना शुरू कर दो। बस आंख बंदकर बैठ जाओ। जब मैं कहता हूं कि घड़ी आधा घड़ीको आंख बंद करने बैठ जाओ तो तुमसे मैं यह कहे रहा हूं कि घड़ी आधा घड़ीको दूसरोंको भूल जाओ। चौबीस घंटे पड़े हैं। तेईस घंटे सारे संसारको दे दो, दुकानकी दे दो, मकानकी दे दो, जिसकी देना हो, उसको दे दो। लेकिन क्या तुम इतने भी अधिकारी नहीं हो कि एक घंटा अपने लिए बचा लो। शायद चौबीस घंटा बचना बहुत मुश्किल है एक घंटा बचना आसान हो सकता है। फिर मैं तुमसे यह भी नहीं कहता कि इस घंटेको बचानेके लिए तुम तिमिलयकी किसी गुफामें बैठो। तुम्हारा घर पर्याप्त है और सबसे ज्यादा आसान जगह है। क्योंकि वहां जो भी है, उससे तुम्हें परिचय है और एक घंटेके लिए उस सबको भूल जाना कठिन नहीं है। आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों, जल्दी ही वह घड़ी आ जाती है कि तुम चुपचाप बैठे हो रहते हो। मूर्तियां आयेंगी, मत रस लेना उनमें, न पक्षमें और न विपक्षमें। आने देना और जाने देना। रास्ता है, मनकी राह है, चलती है। तुम राहके किनारे बैठे देखते रहना और तुम चकित होओगे, इस जीवनके सबसे बड़े रहस्यसे चकित होओगे कि यदि तुम सारी भावसे, जैसे तुम्हें कुछ लेना–देना नहीं कोन जा रहा है, कोन आ रहा है, तुम गुमसुम चुपचाप सड़कके किनारे बैठे हो रहना। जल्दी ही वह घड़ी आ जायगी कि यह रास्तेकी भीड़ कम होने लगेगी, क्योंकि इस भीड़के रास्तेपर होनेका कारण है, तुमने इसे निमंत्रण दिया है। तुमने अवतक इसका स्वागत किया है, यह बिना बुलाई नहीं है और जब यह देखेगी कि तुम इतनी उपेक्षासे भर गये हो कि तुम लौटकर भी नहीं देखते, कोन आया, कोन गया, अच्छा था या बुरा, सुंदर था या कि असुंदर, अपना था कि पराया, वह भीड़ धीरे–धीरे विदा होने लगेगी। ध्यानकी प्रक्रिया बड़ी सरल है।

गस्त दर्ज होती है, क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नैटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) पुलिस थानोंकी अदालतों, जेलों और फॉरेंसिक सुविधाओंसे जोड़ता है। ई–साक्ष्य सुनिश्चित करता है कि अपराध स्थलका सुबूत बिना बदले असल हालतमें अदालततक सुरक्षित पहुंचे। यहाँतक कि गुमनाम लोगोंकी भी अब नाम मिल रहा है। एआई सहાયक व्यवस्था अज्ञात शवोंके चेहरे और फिंगरप्रिंटको लापता व्यक्तियोंके डाटाबेससे मिलती है, जिससे सालोंसे गुम अपनोंका इंतजार कर रहे परिवारोंको सुकून मिलता है। पुलिसके डिजिटल डैशबोर्ड दिखाते हैं कि कहा शिकायतें आसुनी पड़ी हैं, ताकि संबंधित पुलिस कर्मीकी जवाबदेही तय हो।

दुर्घटनाका डाटा 'होट मैप' में बदल गया है। जो ईजीनियरोंके दिखाता है कि किसी सड़कके तीखे मोड़को नये सिरेसे डिजाइन करना है, ताकि दुर्घटनाके समय 'गोल्डन ऑर्क' घटनामें मदद मिले। मोटरवेपर नंबर–प्लेट पहचान कैमरे लगातार स्थितिपर नजर रखते हैं और भागने वाले वाहनोंका ट्रैकिंग रिकॉर्ड भी बनाते हैं। 'हरसमय' नामका पोर्टल नागरिकोंको एकआईआरकी कानपी या सत्यपान प्रमाणपत्रके लिए, लास्यी लाइन लगानेमें लगनेसे बचाता है, थानेके काउंटेरपर ब्यूआर कोड फीडबैक हर नागरिकको अपनी राय साझा करनेका मौका देता है। पुलिसकी कार्यशैलीमें बड़ा सुधार सर्वर रूम या किसी सॉफ्टवेयरसे कहीं आगे पुलिसके मानवीय व्यवहारपर टिका है। तेजीसे बदलती दुनियामें नये दौरकी पुलिसका प्रदर्शन केवल इस बातसे नहीं आँका जा सकता कि पुलिसने टेक्नोलॉजी आधारित कितने एप लांच किये, बल्कि पुलिसकी दक्षता इस बातसे आँकी जा रही है कि कितने अपराध होनेसे पहले ही रोक दिया गये।

*(लेखक हरियाणामें पुलिस महाविदेशक हैं।)*

## चोरी की बाइक सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। एण्टीथेफ्ट टीम व चिल्हियां थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बुधवार को चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ 02



अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। एण्टीथेफ्ट टीम व थानाध्यक्ष चिल्हियां एवं चौकी प्रभारी पल्लवदेवी मय टीम द्वारा मंगलवार की रात्रि गश्त के दौरान सूर्यकुड़िया पुलिसा के पास सौंदभ्य व्यक्ति व

वाहन की चेकिंग करते समय चोरी के मोटरसाईकिल के साथ दो अभियुक्तों प्रमोद कुमार पुत्र वीरेन्द्र कुमार निवासी ग्राम बजहा थाना कपिलवस्तु और मो0 मुकीम पुत्र अन्दुल वट्टद निवासी ग्राम सेमरा टोला बजहा थाना चिल्हियां को गिरफ्तार किया गया। वहीं पुलिस द्वारा अभियुक्तों से पृछताछ किया तो अभियुक्तों द्वारा उक्त बाइक बरगदही

कब्राला थाना पचपेडुवा जनपद बलरामपुर से चोरी करने को बताया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर अभियुक्तों के विरूद्ध पंजीकृत किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर बुधवार को न्यायालय भेजा गया। पुलिस द्वारा अभियुक्तों से बरामदगी में 01 अदद मोटरसाईकिल पल्सर बरामद किया। इस दौरान गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष चिल्हियां पवन कुमार मौर्य, उप निरीक्षक ओम प्रकाश मिश्र (प्रभारी एण्टीथेफ्ट सिद्धार्थनगर), थाना चिल्हियां से उप निरीक्षक दिनेश चन्द मिश्र, हेड कांस्टेबल राजेश यादव, जनपदीय एण्टीथेफ्ट टीम से हेड कांस्टेबल इन्द्रेश यादव, हे0का10 अमित कुमार यादव, हे0का10 जनादन प्रजापति, हेड कांस्टेबल रमेश कुमार, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र कुमार, कांस्टेबल अभिनन्दन सिंह मौजूद रहे।

## मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कुल 412 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न एल ई डी टी वी का उद्घाटन

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बगल खाली प्रांगण में मुख्य अतिथि सांसद दुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक बांस जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, पूर्व विधायक इटवा डा0 सतीश द्विवेदी, एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन, पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सामूहिक विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बगल खाली प्रांगण मे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कुल 412 जोड़ो का सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपस्थित हुये। हिन्दू समुदाय के 303 जोड़ों, बौद्ध धर्म के 64 तथा मुस्लिम समुदाय के 45 जोड़ो का

विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें हिन्दू, बौद्ध एवं मुस्लिम समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। इस विवाह कार्यक्रम में हिन्दू परिवार के लोगो को पंडित द्वारा विवाह सम्पन्न कराया गया तथा मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा निकाह पढ़कर शादी,विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया तथा बौद्ध धर्म का उनके धर्मानुसार विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम हेतु सभी पंक्तियों के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्ति किये गये थे। मुख्य अतिथि सांसद दुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने सभी अधिकारियों एवं उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उ0प्र0 के निर्देशन में एवं जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व में भव्य रूप से सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। गरीब परिवारों के बेटियों को अपनी शादी भूमधान से होने की चिन्ता रहती है



में जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन व वर वधू के माता पिता व परिवार के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। विधायक बांसी जय प्रताप सिंह ने उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए कहा कि उ0प्र0 में मुख्यमंत्र द्वारा

वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मुख्यमंत्री जी द्वारा वर-वधू को गुणवत्तापूर्ण सामान दिया जाता

द्वारा सदैव गरीबों के लिए चिन्ता रहती है। गरीब परिवारों के लोगों को बेटियों की शादी की चिन्ता रहती है इसलिए मुख्यमंत्री द्वारा गरीब परिवारों के बेटियों की शादी के लिए सभी जिलों में सामूहिक विवाह के माध्यम से शादी कराया जा रहा है और उनको नई पारी की शुरूआत के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराया जा रहा है।

पूर्व विधायक इटवा डा0 सतीश द्विवेदी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि गरीब बेटियों के शादी की चिन्ता मुख्यमंत्री जी को थी। इसलिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह शुरू किया। बिना किसी भेदभाव के सबको योजनाओ का लाभ मिल रहा है। जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सामूहिक विवाह के माध्यम से गरीब परिवार के बेटियों की शादी कराना सराहनीय कार्य है। मुख्यमंत्री जी गरीबों को समानता की श्रेणी में लाने के लिए

विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन ने जनप्रतिनिधियो एवं अन्य सभी का स्वागत करते हुए कहा कि प्रत्येक जोड़े के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 64000 दिया जा रहा है तथा 21000 का सामान भी दिया गया है तथा 15000 बारात के स्वागत पर व्यय किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा सभी नवयुगल जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया।

मुख्यमंत्री सारोक्त विवाह कार्यक्रम में उपरोक्त के सांसद दुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0 अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार, डीसी मनरंगा सन्दीप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी व अधिशासी अधिकारी अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बढ़नी(सिद्धार्थनगर)। स्थानीय उपनगर बढ़नी माल गोदाम के नजदीक लगे एल ई डी टी वी का



चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने किया उद्घाटन। बताया जाता है कि नगर पंचायत द्वारा मालगोदाम के पास

एल ई डी टी वी लगाया गया है जिसका उद्घाटन मंगलवार को शॉयकालीन नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरि एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गीता अग्रहरि के साथ पूजा पाठ के बाद स्विच आन कर उसका उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर सभासद निजाम अहमद, रजीउद्दीन, कन्हैया लाल मिश्रा, निसार अहमद, लिपिक ऋषभ मोदगवाल, रामराज कनीजिया, बृजेश अग्रहरि ,मनोज गोयल, लाइनमैन विजय कुमार,विजय सहित अनेको गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## शिक्षकों का मान सम्मान व पुरानी पेंशन बहाली हमारी प्राथमिकता है-डॉक्टर संजयन त्रिपाठी

बांसी(सिद्धार्थनगर)। गोरखपुर- फैजाबाद, शिक्षक खण्ड सदस्य विधान परिषद के समाजवादी पार्टी से प्रत्याशी डॉक्टर संजयन त्रिपाठी ने नगर के एक मैरेज हाल में आयोजित कार्यक्रम के संबोधित करते हुए कहा शिक्षकों के सम्मान, उनके उत्थान के साथ ही पुरानी पेंशन की बहाली हमारा पहला लक्ष्य होगा, बोते अठारह वर्षों से पदासीन शिक्षक खण्ड विधान परिषद सदस्य ने शिक्षकों के सम्मान को सत्ता के चरणों में समर्पित करके केवल स्वयं के हित को मजबूत करने का काम किया, जिसे समाप्त करने के लिए आप सभी शिक्षकों को एक जुट होकर हम सभी को साथ आना होगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा को यह एहसास हो गया है कि अब वह चुनाव हार जायेगी ऐसी दशा में मुख्यमंत्री को भी इस चुनाव में अपने प्रत्याशी के लिए मैदान में आना पड़ रहा है। अभी तक शिक्षको के हित में जो भी निर्णय

लिए गये थे, जिसमें प्रमुख रूप से पुरानी पेंशन बहाली व बेहतर मानदेय किया जाय लेकिन वह नहीं हो सका।



मुलयायम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री रहते हुए शिक्षकों के सेवा निवृत्त की उम्र 62 वर्ष करने का काम किया था। शिक्षक विधान परिषद सदस्य की सफलता के साथ ही 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने के लिए गये थे, जिसमें प्रमुख रूप से पुरानी पेंशन बहाली व बेहतर मानदेय किया जाय लेकिन वह नहीं हो सका।

बद शिक्षकों के सेवा निवृत्ति की आयु 65 वर्ष, पुरानी पेंशन बहाली व बेहतर मानदेय होने में कोई सन्देह नहीं क्या आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षक मतदाताओं से आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में अपनी प्रथम वरीयताका मत देने की अपील करते हुए कहा कि यह जीत हमारी अकले की जीत नहीं होगी बल्कि आप सभी लोगों के मान सम्मान व स्वाभिमान की जीत होगी। कार्यक्रम को दुमरियागंज विधायक सैय्यदा खातून, सपा जिला अध्यक्ष लालजी यादव, सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव कमलेश यादव, रमाकांत द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष मो इद्रीस राईनी पटवारी, मौनू दुबे ने भी सम्बोधित किया और इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व प्रमुख तुफेल अहमद व कमालुद्दीन, मो हारून, सैय्यद मो कुतुब, गोविन्द मौर्य, कपिल देव, रुखसार बानो, अरुण गुप्ता, धनयश मिश्रा, लक्ष्मण यादव, शहाबुद्दीन, सन्तोष कुशवाहा और मारुफ खा आदि सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

## चोरी के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, 02 बैटरी, 01 इन्वर्टर व चोरी में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी बरामद

संतकबीरनगर। अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोठावाली खलीलाबाद जय प्रकाश दुबे के गठित टीम द्वारा आज 939/2026 धारा 305,331(4) बीएनएस में वांछित अभियुक्त नाम पात्र अंकित कुमार तोमर पुत्र अनेक सिंह निवासी ग्राम गुटला शम्साबाद रोड थाना एकता जनपद आगरा को औद्योगिक क्षेत्र में शमशान घाट के पास के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0म0 939/2026 में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी किया गया है।

11.10.2026 को वादी श्री सैय्यद आकिब अली पुत्र सैय्यद शाकिब अली, निवासी मोहल्ला पठान टोला, खलीलाबाद, जनपद संतकबीरनगर द्वारा थाना कोतवाली खलीलाबाद पर प्रार्थना पत्र देकर अवागत कराया गया कि उनकी बगहिया चौराहा, खलीलाबाद स्थित इण्डियन सोलर एनर्जी नामक दुकान से अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई है। वादी के अनुसार, दिनांक 06.09.2026 को वह शाम लगभग 07:30 बजे दुकान बंद करके घर चले गए थे। अगले दिन दिनांक 07.09.2026 को सुबह लगभग 10:30 बजे दुकान खोलने पहुँचे तो दुकान का ताला टूटा हुआ मिला तथा दुकान से 06 अदद

इन्वर्टर एवं 11 अदद बैटरी चोरी हो चुकी थीं। उक्त प्रकरण में प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर अज्ञात अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 939/2026 धारा 305,331(4) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।पृछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम अंकित कुमार तोमर बताया। पृछताछ में उसने अपने दो साथियों रवि बघेल एवं पवन के साथ दिनांक 06/07.09.2026 की रात्रि में खलीलाबाद क्षेत्र में हाईवे की दक्षिणी सर्विस लेन के किनारे स्थित एक दुकान का ताला तोड़कर 11 बैटरी एवं 06 इन्वर्टर चोरी करने की

बात स्वीकार की। उसने बताया कि वे लोग गैर जनपदों में रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं तथा चोरी का सामान सस्ते दामों पर बेचकर प्राप्त धनराशि आपस में बाँट लेते हैं। अभियुक्त की निशानदेही पर बोलेरो गाड़ी की जाँच करने पर डिग्री में सीटों के बीच से 02 अदद बैटरी एवं 01 अदद इन्वर्टर बरामद हुआ, जिसे उसने पूर्व में चोरी किए गए सामान का शेष हिस्सा बताया। गाड़ी पर आगे-पीछे नंबर लेट नही लगी थी। अभियुक्त ने बताया कि पुलिस से बचने के लिए वे लोग नंबर प्लेट हटाकर रखते हैं तथा अपने मोबाइल फोन घर पर छोड़कर आते हैं।

## ईओ सीमा राय की सख्ती के बाद जागा ठेकेदार

संतकबीरनगर। नगर पंचायत बाधनगर उर्फ बखिरा के बाबा भगेश्वर नाथ पोखरे के किनारे कराई गई इंटरलॉकिंग दो साल भी पूरे होने से पहले ही दोबारा उखाड़कर चिछाई जा रही है। इतने कम समय में निर्माण कार्य की मरम्मत की नौबत आने से ठेकेदार की कार्यप्रणाली और गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले में अधिशासी अधिकारी सीमा राय ने ठेकेदार की लापरवाही स्वीकार करते हुए बताया कि नोटिस जारी करने के बाद ही काम दोबारा शुरू कराया गया है। नगरवासियों के अनुसार, पोखरे के किनारे लगी इंटरलॉकिंग की ईंटों की निकावकर फिर से लागाया जा रहा है। सवाल यह है कि आखिर निर्माण कार्य में ऐसी क्या कमी रह गई कि दो साल भी पूरे होने से पहले उसे दोबारा करने की जरूरत पड़ गई। यदि काम मानकों के अनुरूप कराया गया होता तो इतनी जल्दी ईंटों को उखाड़ने की नौबत नहीं आती। अधिशासी अधिकारी सीमा राय ने बताया कि इंटरलॉकिंग को लगे अभी दो साल भी नहीं हुए हैं और ठेकेदार ने काम सही तरीके से

नहीं कराया था। इसी लापरवाही को देखते हुए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया। इसके बाद काम दोबारा कराया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण ही यह कार्य फिर से करना पड़ रहा है। निर्माण सही तरीके से कराया गया होता तो लंबे समय तक चलता और दोबारा काम करने की जरूरत नहीं पड़ती। नगर पंचायत निवासी दुर्रिश त्रिपाठी ने बताया कि उन्होंने करीब दो महीने पहले इस मामले में सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत जानकारी मांगी थी, लेकिन अब तक नगर पंचायत की ओर से जवाब नहीं मिला है। इससे निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी को पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।अब देखा होगा कि दोबारा कराए जा रहे कार्य की गुणवत्ता कितनी बेहतर रहती है। नगरवासियों की अपेक्षा है कि निर्माण कार्यों में मानकों का पालन हो और जिम्मेदार ठेकेदारों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि सरकारी धन खर्च होने के बाद कुछ ही समय में दोबारा निर्माण की नौबत न आए।



## विकास कार्यों की नई इबारत लिख रहा है लेदवां श्रीपाल

मेंहदावल,संतकबीर नगर। सांथा महेसखंड क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत लेदवां श्रीपाल में इन दिनों विकास कार्यों की नई इबारत लिखता दिख रहा है। उक्त ग्राम पंचायत की सभी प्रमुख तथा छोटी बड़ी गलियों में इंटरलॉकिंग, सीसी, पीसी रोड, जल निकासी हेतु नाला नालियों का नव निर्माण तथा जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल उपलब्ध कराने में बड़ी तेजी के साथ विकास कार्य कराया जा रहा है, उक्त कार्यों को देखकर ग्राम वासियों में खुशियों की लहर देखी जा रही



ग्राम पंचायत के प्रत्येक ग्राम वासियों को शासन की समस्त योजनाओं तथा मूलभूत सुविधाओं को परामर्श कराया जाना हम सभी का परम कर्तव्य है।

है,निचुरी से राजेडीहा मार्ग पर स्थिति उक्त ग्राम पंचायत लेदवां श्रीपाल में नवनिर्माणधीन उक्त कार्यों को ग्राम प्रधान श्रीमती जोहरा खातून, एवं प्रधान की सभी प्रमुख तथा छोटी बड़ी गलियों में इंटरलॉकिंग, सीसी, पीसी रोड, जल निकासी हेतु नाला नालियों का नव निर्माण तथा जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल उपलब्ध कराने में बड़ी तेजी के साथ विकास कार्य कराया जा रहा है, उक्त कार्यों को देखकर ग्राम वासियों में खुशियों की लहर देखी जा रही

इटवा(सिद्धार्थनगर)। स्थानीय तहसील क्षेत्र के तप्पा चूकें यह मतदान बैलेट पेपर के माध्यम से होना है इसलिए मतदेय स्थलों पर मतदान को गोपनीयता सुनिश्चित रहे इसका विशेष ध्यान रखा जाए। मतदान दिनांक 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08

पर ईंट की सीमेंटेड दीवार मय प्लास्टर के साथ खड़ी कर पानी खुनियांव अन्तर्गत 5 ग्राम पंचायतों मझौवा, मैनभरिया, को निकासी बन्द कर दी गयी है।इससे पूर्व वर्ष 2022 में ग्राम तेलियाधानी, बहादुरपुर तथा बघिनी के लगभग 700 से 800 पंचायत बघिनी में स्थित एक घोला गाटा संख्या 242 जिसमें बोधा धान की खड़ी फसल में पानी भरा है। जिसके कारण समय से धान की कटाई और गेहूं की बुआई नहीं हो पाएगी। जल निकासी हेतु उप जिलाधिकारी से मांग की है। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला उपाध्यक्ष व तहसील प्रभारी इटवा मो0 मुनीफ खान ने 13 अक्टूबर 2026 को उप जिलाधिकारी इटवा संदीप कुमार त्रिपाठी को इस बाबत एक शिकायती पत्र दिया गया है। दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार खुनियांव क्षेत्र के सिवान के बारिश का पानी परासी नाला में बंद कर जाता है। आरोप है कि कुछ मनबद्ध और सीनाजोर किस्म के लोगों द्वारा ग्राम पंचायत बघिनी के पोखरे वाली भ्रमण कर लें, जिससे कोई असुविधा भी न हो। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण मतदान



को समय पर कटाई नहीं हो पाएगी। इसके साथ गेहूं के फसल को समय पर बुआई भी नहीं हो पाएगी। जिसको लेकर क्षेत्रीय किसानों में भारी रोष व्याप्त है। एक दिन बीत जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समस्या का संज्ञान नहीं लिया गया है। डूडस सम्बंध में उप जिलाधिकारी इटवा संदीप कुमार त्रिपाठी से पूछे जाने पर चुनार के बीड़ियो कांन्फेसिंग (बीसी) में ब्याहित कर दिया गया है। दूसरे तरफ लक्ष्मणपुर पोखरे के पुल व्यस्तता के कारण उनका पक्ष नहीं मिल सका है।

## धान के खेत में भरा पानी जल निकासी की मांग

## खाद्य सुरक्षा कानून में बदलाव की मांग, सौंपा ज्ञापन

बस्ती। खाद्य पदार्थों के नमूने भरने, जांच रिपोर्ट मिलने में देरी और विभागीय कार्रवाई से जुड़ी समस्याओं को लेकर बुधवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों, व्यापारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें खाद्य कारोबारियों और निर्माताओं को हो रही परेशानियों को दूर करने के लिए 12 मांगें रखी गई हैं ज्ञापन में मांग किया गया है कि खाद्य पदार्थों का नमूना लेते समय संबंधित निर्माता को भी इसकी जानकारी दी जाए और फॉर्म की प्रति पंजीकृत डाक से भेजी जाए।

संगठन ने कहा कि दुकानदार या थोक कारोबारी से बिल मिलने पर ही निर्माता को मामले में पक्षकार बनाया जाना चाहिए ज्ञापन देने के बाद मण्डल अध्यक्ष हरिमूर्ति सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद मंडेशिया ने कहा कि जांच रिपोर्ट मिलने में देरी का मुद्दा उठते हुए मांग किया कि सरकारी प्रयोगशालाएं नमूना प्राप्त होने के 14 दिन के भीतर रिपोर्ट दें। नमूना फेल होने पर दोबारा जांच की प्रक्रिया भी तुरन्त शुरू की जाए। संगठन ने यह भी मांग की कि केंद्रीय प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने से पहले खाद्य पदार्थों को नष्ट या जब्त करने की कार्रवाई न की जाए जिला महामंत्री आलोक दुबे ने अधोमानक और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के बीच स्पष्ट अंतर रखने,



मांग किया। व्यापार मंडल ने सीलबंद पैकेटों की जांच, निजी प्रयोगशालाओं की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई और पुराने सर्वे नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक करने का मुद्दा

भी उठाया। संगठन ने पैकिंग और लेबलिंग के नियमों का पालन करने वाले कारोबारियों को अनावश्यक

प्रताप, नगर महामंत्री धीरेंद्र चैधरी, नगर संगठन महामंत्री डॉ. प्रदीप सिंह, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव, महामंत्री सत्य प्रकाश दुबे, जिला संगठन मंत्री संजय सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वंदना वर्मा, जिला महामंत्री गीता देवी, जिला कोषाध्यक्ष राजेश्वरी शर्मा, रावेश श्रीवास्तव, सुजीत कुमार गुप्ता, आकाश सोनी, संजय गुप्ता, अवधेश निषाद, सत्यम सिंह, मोहम्मद फुरकान, मोहम्मद नदीम, अली हुसैन, अश्विन कुमार, शुभम कुमार, सुखसागर, नितिन श्रीवास्तव, उज्ज्वल श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, रजनीश कुमार और त्रिलोकी नाथ सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं व्यापारी मौजूद रहे।

### तीन दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

दुर्गौलिया,हरैया(बस्ती)। राष्ट्रीय कृषक इंटर कॉलेज रघुराज नगर सुदीपुर में तीन दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भावना, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के प्रबंधक हरिश्चन्द्र सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह रहे। जिला स्तर से आए स्काउट प्रशिक्षक दीपक प्रजापति तथा गाइड प्रशिक्षिका संगीता प्रजापति ने विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया [प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अनुशासन, सहयोग, समाजसेवा तथा विषम परिस्थितियों में कार्य

करने के महत्व की जानकारी दी गई। डॉ. दिनेश यादव, विजय सिंह, गाइड वर्ग में मनीषा गुप्ता ने प्रथम विकास सिंह, सभाजीत सिंह, राम



स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में शिक्षक आशीष आनंद, धनेन्द्र सिंह, श्रीकांत वर्मा, डॉ. चंद्रमणि पाण्डेय, सनेही यादव, श्याम शंकर शुक्ला तथा अखंड प्रताप पाण्डेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

### संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से

## लटकता मिला महिला का शव

दुर्गौलिया,हरैया(बस्ती)। स्थानीय थाना क्षेत्र के भीमलजोत गांव में बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला का शव पंधे में फंदे के सहारे संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता हुआ मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का जांच-पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जानकारी के अनुसार भीमलजोत निवासी मनोज की पत्नी मंगलकाम की देर शाम खाना-पीना बना कर अपने दो माह के बच्चे को ? बरामदे में रखे तख्त पर सुला कर अपने कमरे में चली

गई काफी देर बाद बच्चे के रोने की आवाज सुन जब परिजन लक्ष्मी को आवाज दिये लेकिन वह कमरे से बाहर नहीं निकली। परिजन कमरे के पास पहुंचे तो देखा की दरवाजा अंदर से बंद है। खिड़की से देखा तो लक्ष्मी का शव छत में लगे पंधे में साड़ी के फंदे से लटक रहा था। घटना की सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बस्ती भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना के कारणों की जांच पड़ताल किया जा रहा है। मौत का स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पायेगा।



## बदलते दौर में शिक्षण को नवाचार से जोड़ें शिक्षक - संजय शुक्ल

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण का बुधवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण में शिक्षकों को डिजिटल लर्निंग, समावेशी शिक्षा और नवाचार आधारित शिक्षण के गुर सिखाए गए। समापन पर शिक्षकों ने सीखे गए नवाचारों को विद्यालयों में लागू करने का संकल्प लिया। समापन अवसर पर डायट प्रचारार् एवं उप शिक्षा निदेशक संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ है। शिक्षक शसक्त तो समाज समृद्धके मूल मंत्र के साथ आयोजित यह प्रशिक्षण शिक्षकों की शिक्षण क्षमता को प्रभावी बनाने में सहायक होगा। उन्होंने शिक्षकों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के

अनुरूप कक्षा शिक्षण को रुचिकर, गतिविधि आधारित और प्रभावी बनाने का आह्वान किया। वरिष्ठ प्रवक्ता महेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि



प्रशिक्षण से शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों और नवाचारों को समझने का अवसर मिलता है। इनका कक्षा शिक्षण में प्रभावी उपयोग कर बच्चों

की सीखने की क्षमता और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। प्रशिक्षण के नोडल एवं प्रवक्ता अमन सेन ने बताया कि तीन

तथा बच्चों में तार्किक क्षमता विकसित करने के तरीकों की जानकारी दी गई। समूह चर्चा, व्यावहारिक गतिविधियों और प्रत्यूतीकरण के माध्यम से शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। प्रतिभागी शिक्षकों ने प्रशिक्षण को उपयोगी और व्यवहारिक बताते हुए कहा कि इससे उन्हें शिक्षण की नई तकनीकों को समझने और कक्षा में प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में डॉ. गोविन्द प्रसाद, कल्याण पाण्डेय, डॉ रविनाथ, अलीउद्दीन, वर्षा पटेल, शशि दर्शन त्रिपाठी सहित जनपद के विभिन्न विकास खंडों से आए शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

## एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी के कर्मचारियों का आन्दोलन तेज, 15 को लखनऊ में धरना

बस्ती। उत्तर प्रदेश एड्स कंट्रोल सोसाइटी कर्मचारी कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। बुधवार को संघ की अध्यक्ष ज्योत्सना गुप्ता, महामंत्री सपना सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों ने जिला चिकित्साल, सी . ए च . सी . पी.एच.सी. पर 10 सूत्रीय मांगों को लेकर 2 घंटे तक कार्य बहिष्कार किया।

चेतावनी दिया कि मांगे न मानी गई तो 15 अक्टूबर को लखनऊ के इको गार्डन पार्क में विशाल धरना प्रदर्शन के बाद 16 अक्टूबर से भूख हड़ताल

के साथ प्रदेश में एचआईवी एड्स संघ ने से संबंधित सेवाएं स्थगित कर दिया



जायेगा। संघ की अध्यक्ष ज्योत्सना गुप्ता ने बताया कि संघ की प्रमुख मांगों में कर्मचारियों का नियमितीकरण, नियमितीकरण न

होने तक जांब की सुरक्षा, 20 प्रतिशत अतिरिक्त मासिक चुके कर्मचारियों को अतिरिक्त एक एवं आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट देने, स्थानांतरण नीति लागू करने और कार्यस्थल पर कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी शामिल है। कार्य बहिष्कार करने वालों में प्रदेश उप कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार पाण्डेय, आलोक कुमार लाल, अर्चना श्रीवास्तव, सीमा गुप्ता, ममता पाठक,

आदि की मांग शामिल है। इसके अलावा 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को प्रतिशत अतिरिक्त मासिक अलावा 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को अतिरिक्त एक एवं आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट देने, स्थानांतरण नीति लागू करने और कार्यस्थल पर कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी शामिल है। कार्य बहिष्कार करने वालों में प्रदेश उप कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार पाण्डेय, आलोक कुमार लाल, अर्चना श्रीवास्तव, सीमा गुप्ता, ममता पाठक,

## एनएच-27 पर गड्डों का जाल, हर सफर पर हादसों का खतरा

बस्ती। फोरलेन पर फर्राटा भरने का सपना, लेकिन कदम-कदम पर गड्डों से सामना। एनएच-27 पर घघौवा से लेकर पूरे जनपद में सड़क की बदहाली राहगीरों के सफर पर भारी पड़ रही है। कहीं सड़क की उखड़ी परत तो कहीं गहरे गड्डे, वाहन चालकों के लिए हर सफर को चुनौती बना रहे हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि गड्डे भरने के लिए पैचवर्क तो कराया जाता है, लेकिन कुछ समय बाद सड़क फिर उसी हालत में पहुंच जाती है। बरसात में गड्डों में पानी भरने से उनकी गहराई का अंदाजा तक नहीं लग पाता और हादसों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर कब तक अस्थायी मरम्मत के भरपूर सहयोग की सुसझा रहेगी और एनएच-27 को गड्डों से स्थायी निजात कब

मिलेगी एनएच-27 जिले के प्रमुख आवागमन मार्गों में शामिल है। इस



पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सड़क पर जगह-जगह गड्डे होने से वाहन चालकों को गति नियंत्रित करनी पड़ती है। कई बार गड्डों से बचने के लिए अचानक ब्रेक लगाना या वाहन की दिशा बदलना पड़ता है, जिससे पीछे से आ रहे वाहनों के टकराने की आशंका

बनी रहती है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए जोखिम अधिक है।

गड्डे में पहिया पड़ने से संतुलन बिगड़ सकता है और दुर्घटना हो सकती है। खराब सड़क से वाहनों को नुकसान पहुंचने के साथ सफर भी असुविधाजनक हो रहा है।सड़क पर गड्डे होने के बाद उनकी मरम्मत के लिए पैचवर्क कराया जाता है, लेकिन यह उपाय स्थायी राहत नहीं दे पा रहा है। कुछ समय बाद मरम्मत वाले हिस्से फिर उखड़ने लगते हैं और गड्डे दोबारा बन जाते हैं। ऐसे में बार-बार की मरम्मत के बावजूद सड़क की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है। जरूरत इस बात की है कि सड़क को वास्तविक स्थिति का तकनीकी आकलन कराया जाए और जहां ऊपरी परत पूरी तरह खराब हो चुकी है, वहां नई लेयर बिछाई जाए। केवल गड्डे भरने के बजाय सड़क की मजबूती और गुणवत्ता पर ध्यान देना जरूरी है, ताकि समस्या बार-बार सामने न आए।बरसात के मौसम में गड्डों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। पानी भरने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में अचानक पहिया गड्डे में पड़ने से वाहन अनियंत्रित हो सकता है। रात के समय कम दृश्यता के कारण खतरा और बढ़

## पूर्व सहायक सूचना निदेशक के निधन पर शोक सभा आयोजित

बस्ती,। पूर्व सहायक सूचना निदेशक दशरथ प्रसाद यादव का 12 अक्टूबर को 75 वर्ष की अवस्था में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे

हैं नेशनल प्रेस क्लब की ओर से सुभाष तिराहा स्थित शिविर कार्यालय पर एक शोकसभा का आयोजन किया। पत्रकारों ने दिवंगत



मूल रूप से महाराजगंज जिले के लंजार महादेवा (लेहड़ा मंदिर के निकट) के रहने वाले थे। दशरथ प्रसाद पत्रकारों के के निकट थे और सेवाकाल में मेरेशा सहयोगी रहे। उनके निधन से पत्रकारों ने शोक

की शान्ति के लिये दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से अपने चरणों में स्थापित स्थान देने हेतु प्रार्थना की। कबल संरक्षक अशोक श्रीवास्तव ने कहा दशरथ प्रसाद वैचारिक रूप से काफी समृद्ध थे। वे स्पष्टवादी थे,

सिंह, मो. तलहा, अब्दुल कलाम, अभिषेक गौतम, विजय कुमार मिश्रा, रामसुदीन सिद्धीकी, अरशद मसूद, दिनेश सोनकर, सतेन्द्र श्रीवास्तव, रिजवान खान सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे।

## पुलिस अधीक्षक ने किया यातायात पुलिस प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण

बस्ती। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने अपर पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी सदर के साथ जनपद में सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित



यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यातायात पुलिस प्रशिक्षण केंद्र बड़ेबुन चैराहा, का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के

दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्थाओं, वहां मौजूद संसाधनों का बारीकी से जायजा लिया गया। तथा यातायात कर्मियों को ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता, शालीनता और तत्परता बरतने के निर्देश दिए। साथ ही शहर में सुचारू यातायात संचालन और जाम की समस्या से निपटने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर जोर देते हुए प्रस्तावित ट्रैफिक पार्क का कार्य पूर्ण करने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये।इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली, प्रभारी यातायात व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

## सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में का. के.के. तिवारी के योगदान पर चर्चा, किया नम्र

बस्ती। बुधवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव का. के.के. त्रिपाठी को प्रेस क्लब



सभाभार में श्रद्धांजलि सभा के रूप में याद किया गया। जिला सचिव शेषमनि के संयोजन में आयोजित सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि कां. के.के. त्रिपाठी ने गरीबों, मजदूरों को उनका अधिकार दिलाने के लिये, अनवरत संघर्ष किया। उनके आकस्मिक निधन से एक रिक्तता पैदा हुई है। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। श्री तिवारी का गत 5 अक्टूबर को इलाज के दौरान

निधन हो गया था।भाकपा जिला सचिव का. अशफ़ीलाल की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि

मस्तराम वर्मा, राम कृष्ण पाण्डेय, आर.पी. चैधरी, सत्यराम, वैदिक द्विवेदी, शिवचरण निषाद, नवनीत यादव, त्रिवेनी चैधरी, सत्यभान, दीनानाथ तिवारी के साथ ही अनेक वक्ताओं ने के.के. तिवारी के राजनीतिक संघर्ष, योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

थार की ठेकर से पत्रकार घायल पशुरामपुर, हरैया(बस्ती)। परसा-लकडूमंडी मार्ग पर परशुरामपुर कस्बे में ब्लाक के सामने थार वाहन संख्या यूपी 42 बीवाई 4002 ने मोटरसाइकिल से जा रहे दैनिक आज के पत्रकार स्थानीय थाना क्षेत्र के बरहपुर पाण्डेय निवासी शैलेंद्र कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार को जोरदार ठोकर मार दिया। ठोकर लगने से पत्रकार गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद पैर में फ्रैक्चर होने के कारण चिकित्सकों द्वारा हॉस्पिटल सेंटर रेफर कर दिया गया।







